मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से प्रकाशित: भोपाल • ग्वालियर • कटनी • बिलासपुर • जबलपुर • छिंदवाड़ा • बालाघाट

www.emsindia.com

निष्पक्ष एवं विश्वसनीय खबरों का लोकप्रिय समाचार पत्र

एक्सप्रेस न्यूज

भोपाल
बुधवार 30 अप्रैल 2025
■ वर्ष: 30 ■ अंक: 123
■ पेज: 8 ■ मूल्य: 1.50/- रुपए

कारों-बसों में कूड़ादान रखना अनिवार्य

शिमला, ईएमएस। हिमाचल प्रदेश में बुधवार से सभी कॉमर्शियल व्हीकल में कूड़ेदान रखना अनिवार्य कर दिया गया है। इनको नहीं लगाने वाले कॉमर्शियल व्हीकल को 10 हजार रुपए तक जुर्माना लगेगा। इसी तरह जो व्यक्ति इधर-उधर कूड़ा फेंकते पकड़ा जाएगा, उसे 1500 रुपए का जुर्माना भरना होगा। पर्यावरण विभाग की यह अधिसूचना आज से प्रदेश में लागू हो गई है। बता दें कि हिमाचल में हर साल डेढ़ करोड़ से दो करोड़ टूरिस्ट पहाड़ों पर सैर करने के लिए पहुंचता है। इनमें ज्यादातर टूरिस्ट टैक्सी, टैम्पो या फिर वोल्वो बसों में आता है। ऐसे में सभी को हिमाचल में कूड़ा नहीं फैलाने की आदत डालनी होगी। आमतौर पर टूरिस्ट पर्यटन स्थलों पर कचरा फेंक देते हैं।

चुपके-चुपके

पहल अच्छी, लेकिन सरकार को खबर तक नहीं

अभी हाल ही में पुलिस मुख्यालय से एक निर्देश जारी किया गया कि सांसदों, विधायकों को अब पुलिस वाले सैल्यूट मारेंगे। इस आदेश के बाद प्रदेश की राजनीतिक वीथिका में विपक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया है। खबरची का कहना है कि जिस तरह इस आदेश को लेकर पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं, उससे सरकार के मुखिया भी आहत हैं। सूत्रों का कहना है कि सरकार के मुखिया ने पुलिस मुखिया को इस पहल के लिए धन्यवाद तो दिया है, साथ ही यह भी कह दिया है कि कम से कम हमें तो सूचित कर देते। वहीं सूत्रों का कहना है कि इस आदेश के खिलाफ कई अफसरों ने भी आवाज उठाई थी, लेकिन उसके बाद भी उसे अमली जामा पहना दिया गया।

-खबरची

कॉमनवेल्थ घोटाला: ईडी की क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी

सीडब्ल्यूजी में मनी लॉन्ड्रिंग का कोई सबूत नहीं मिला

नई दिल्ली, ईएमएस। 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवन्यू कोर्ट ने ईडी की क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईडी की जांच में मनी लॉन्ड्रिंग का कोई सबूत नहीं मिला।

इसलिए इस मामले को और आगे बढ़ाने का कोई भी कारण नहीं है। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज संजीव अग्रवाल ने कहा कि ईडी ने सीबीआई के भ्रष्टाचार वाले केस के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। लेकिन सीबीआई पहले ही भ्रष्टाचार के मामले में सभी आरोपियों को बरी कर चुकी है। साथ ही ईडी की जांच में भी अपराध का कोई सबूत नहीं मिला। कोर्ट ने पूर्व कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजन समिति के प्रमुख सुरेश कलमाड़ी, महासचिव ललित भनोट और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच को समाप्त कर दिया। इसी के साथ 15 साल पुराना कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला केस समाप्त हो गया।

दिशा बैठक में भड़के राहुल गांधी, बोले...

युवाओं को रोजगार मामले में बड़ा घालमेल...

रायबरेली, ईएमएस। यूपी के रायबरेली में मंगलवार को जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। इसमें शामिल होने के लिए सांसद एवं सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी पहुंचे। बैठक के दौरान सांसद ने युवाओं को रोजगार दिलाने में घालमेल पकड़ लिया। दरअसल, डीएम हर्षिता माथुर के स्तर से सांसद को 1107 युवाओं को प्रशिक्षण दिलाकर सेवायोजित करने की सूची भेजी गई थी। लेकिन, इसमें शामिल कई लोगों ने प्रशिक्षण मिलने से ही इन्कार कर दिया। बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि सूची में शामिल 25 युवाओं की रैंडम जांच कराई गई है। इसमें मात्र तीन युवाओं ने ही बताया कि रोजगार मिला है। 10 युवाओं को अब तक रोजगार नहीं मिला। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी भ्रामक सूची कतई न भेजी जाएं। विधान परिषद सदस्य अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना की जांच कराई जाए।

पेगासस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा...

देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी जानकारी सड़क पर चर्चा के लिए नहीं

नई दिल्ली, ईएमएस। पेगासस जासूसी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मंगलवार को कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा। बेंच ने कहा कि व्यक्तिगत आशंकाओं का समाधान किया जा सकता है, लेकिन टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सड़कों पर चर्चा के लिए नहीं हो सकती। इस बात की जांच करनी होगी कि पैनल की रिपोर्ट किस हद तक व्यक्तियों के साथ साझा की जा सकती है। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। 2021 में एक पोर्टल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि केंद्र सरकार ने 2017 से 2019 के दौरान करीब 300 भारतीयों की जासूसी की। इन लोगों में पत्रकार, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, विपक्ष के नेता और बिजनेसमैन शामिल थे।

मप्र की तबादला नीति को कैबिनेट से मिली मंजूरी मंत्री और प्रभारी मंत्रियों को मिला अधिकार...

खत्म हुआ तीन साल का इंतजार... 1 मई से 30 दिन तक होंगे तबादले

पराली जलाने पर किसानों की रुक जाएगी किसान सम्मान निधि

● भोपाल, ईएमएस

मप्र में तीन साल बाद तबादलों पर से प्रतिबंध हटा है। मप्र की डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में एक मई से 30 मई तक तबादले करने को हरी झंडी मिल गई है। जीएडी के प्रस्ताव पर कैबिनेट ने जो तबादला नीति मंजूर की है, उसमें कुल तबादलों में स्वैच्छिक तबादलों को भी जोड़ा जाएगा। विभाग खुद भी तबादला नीति बना सकेंगे और इसके लिए जीएडी से अनुमति लेंगे। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि तबादला नीति को मंजूरी दे दी है। 30 मई तक ई आफिस में सारे ट्रांसफर लागू होंगे। इसके बाद तबादले नहीं हो सकेंगे। इसलिए मंत्रियों से कहा गया है कि वे तीस मई के पहले सभी तबादला आदेश जारी कर दें। इसके लिए तबादला प्रस्तावों में भी बदलाव किया गया है।

विजयवर्गीय ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी दते हुए बताया कि बैठक में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए बड़ा निर्णय लिया गया है। पराली जलाने वाले किसानों की 1 साल के लिए किसान सम्मान निधि रुक जाएगी। उन्होंने अपील की है कि छोटे से लालच के लिए किसान बड़ा नुकसान ना करें। पर्यावरण को ठीक रखने के लिए दंड देने का फैसला किया है।

विभाग बना सकेंगे अपनी नीति

विजयवर्गीय ने बताया कि तबादला नीति में तय किया गया है कि यदि कोई विभाग अपनी ट्रांसफर नीति बनाना चाहे तो बना सकता है। इसके लिए विभाग को अपनी ट्रांसफर नीति बनाकर सामान्य प्रशासन विभाग को भेजना होगी। हालांकि इसमें तबादले का अनुपात नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा कि यदि स्वैच्छिक आधार पर तबादले ज्यादा हुए तो प्रशासनिक आधार पर तबादले की संख्या में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

मंत्रियों को मिले तबादले के अधिकार

राज्य सरकार ने कर्मचारियों के तबादलों में मंत्री और प्रभारी मंत्रियों की ही चलेगी। जिले के अंदर तबादले के लिए प्रभारी मंत्री अपनी अनुशंसा देंगे और इसके बाद ही ट्रांसफर किए जाएंगे, लेकिन एक जिले से दूसरे जिले में तबादले के लिए पहले प्रभारी मंत्री द्वारा अनुशंसा की जाएगी। इसके बाद मंत्री तबादले करेंगे। मंत्री प्रशासनिक आधार पर सीधी तबादले कर सकेंगे। ट्रांसफर प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर हो सकेंगे।

तीन साल से जमे अधिकारी-कर्मचारी हटेंगे

उधर एक ही जिले में तीन साल या उससे अधिक समय से जमे अधिकारी कर्मचारियों को दूसरे स्थान पर भेजा जाएगा। जिले के अंदर तबादले की सूची कलेक्टर, जनप्रतिनिधियों से चर्चा के बाद प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से जारी की जाएगी। इसके अलावा जिन अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार या पद के दुरुपयोग के मामले हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाएगा।

यह है ट्रांसफर का फॉर्मूला...

कैबिनेट ने तबादला नीति में जो प्रस्ताव तय किए हैं उसके अनुसार मंत्री और प्रभारी मंत्री तबादले कर सकेंगे। इसके लिए विभागों में पद वार तबादलों का प्रतिशत भी तय किया गया है। 200 पदों में 20 प्रतिशत ही ट्रांसफर होंगे। 201 से लेकर 1000 तक 15 प्रतिशत ट्रांसफर होंगे। 1001 से लेकर 2000 तक 10 प्रतिशत ट्रांसफर होंगे। वहीं 2001 से अधिक पर 5 प्रतिशत तबादले होंगे। स्वैच्छिक आवेदन को भी स्वीकार किया जाएगा। विभाग भी ट्रांसफर पॉलिसी बना सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग को जानकारी देनी होगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने तबादलों की प्रतिशत सीमा में स्वैच्छिक तबादलों को इसलिए जोड़ा है ताकि कुल पदों के हिसाब से तबादले का प्रतिशत बना रहे। अगर स्वैच्छिक तबादलों को अलग रखा जाएगा तो कुल पदों की संख्या के प्रतिशत से यह अधिक हो जाएगा।

चंबल में लगेगा तीन हजार मेगावाट का सोलर पार्क

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि ग्रीन एनर्जी पर फोकस मोहन सरकार ने किया है। इसलिए एमपी और यूपी सरकार की बिजली डिमांड को ध्यान रखते हुए प्लान तैयार किया गया है। एमपी में बरसात में बिजली की डिमांड कम हो जाती है जबकि यूपी में बरसात के दौरान डिमांड बढ़ जाती है। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि कैबिनेट ने तय किया है कि तीन हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। एक हजार मेगावाट कंपोजिट प्लान में रहेगी जबकि 2 हजार मेगावाट यूपी को दी जा सकेगी। यह प्लांट चंबल में लगाया जाएगा।

यूपीएस के लिए कमेटी का गठन

केंद्र सरकार की यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए छह अधिकारियों की कमेटी बनी है। यह कमेटी कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक रूप पेंशन स्कीम का प्रस्ताव तैयार करेगी। इस कमेटी में अशोक बर्णवाल, मनीष रस्तोगी, लोकेश जाटव, तन्वी सुद्रियाल, अजय कटेसरिया, जेके शर्मा इस कमेटी में शामिल हैं। कमेटी भारत की गाइडलाइन का अध्ययन कर रिपोर्ट देगी। भारत सरकार की गाइडलाइन के आधार पर यह कमेटी बनाई गई है।

कैबिनेट ने यह फैसले भी किए

शासकीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ते की किस्त देने के मुख्यमंत्री के फैसले पर कैबिनेट ने अनुसमर्थन दिया है। अब कर्मचारियों को 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को मिलने वाले भत्ते के बराबर हो गया है। पराली जलाने के मामले में सरकार ने सख्त निर्णय लिया है। अगर कोई किसान पराली जलाएगा तो किसान सम्मान निधि एक साल के लिए रोक दी जाएगी और अगले साल उपज खरीदी नहीं जाएगी। इससे किसानों को नुकसान से बचना होगा।

हाई लेवल मीटिंग के बाद प्रधानमंत्री की सेनाओं को खुली छूट

आतंकवाद को मिलेगा करारा जवाब, सेना तय करेगी टारगेट और टाइमिंग

नई दिल्ली, ईएमएस। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल थे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी इस बैठक का हिस्सा थे। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद पर करारा प्रहार करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। प्रधानमंत्री ने देश के सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों को कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी छूट दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि हमले के जिम्मेदार आतंकियों और उनके आकाओं को धरती के आखिरी कोने तक भी खोजकर सबसे सख्त सजा दी जाएगी। उनका इशारा पाकिस्तान की ओर था, क्योंकि पाकिस्तान का भारत में आतंकवाद फैलाने का इतिहास है। इससे पहले सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। यह बैठक उस दिन हुई, जब सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने राजनाथ सिंह को पहलगाम आतंकी हमले के बाद लिए गए कुछ फैसलों की जानकारी दी।

अटैक का मास्टरमाइंड पूर्व पाकिस्तानी कमांडो मूसा

पहलगाम टेररिस्ट अटैक में मंगलवार को बड़ी जानकारी सामने आई है। इंटेलिजेंस एजेंसी के मुताबिक इस हमले का मास्टर माइंड पाकिस्तान का पूर्व एसएसजी कमांडर हाशिम मूसा है। मूसा अभी लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहा है। लश्कर ने ही उसे जम्मू-कश्मीर भेजा था ताकि वह सुरक्षा बलों और गैर-कश्मीरियों पर हमलों को अंजाम दे सके। मूसा ने गांदरबल के गगनगीर में अक्टूबर 2024 में हमले को अंजाम दिया था। इसमें कई मजदूर और एक स्थानीय डॉक्टर की जान गई थी। बारामूला अटैक भी मूसा ने कराया था, जिसमें 2 आर्मी जवानों और 2 पोर्टर्स की जान गई थी। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना भी लगातार सीजफायर वॉयलेशन कर रही है।

फटाफट खबरें

रेस्टोरेंट में आग 22 लोगों की मौत

बिजिंग, ईएमएस। चीन के उत्तरी प्रांत लियाओनिंग के लिओयांग शहर में एक रेस्टोरेंट में मंगलवार दोपहर को आग लग गई है। इस घटना में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 3 लोग घायल हैं। जानकारी चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने दी है। हालांकि आग की घटना के पीछे की वजह को नहीं बताया गया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घटना पर दुख जताते हुए स्थानीय अधिकारियों को जांच की आदेश दिए हैं। साथ ही हादसे के दोषी लोगों को सजा दिलाने के लिए कहा है।

चारधाम यात्रा आज से शुरू

देहरादून, ईएमएस। चारधाम यात्रा बुधवार से शुरू हो रही है। यह 6 नवंबर तक चलेगी। सबसे पहले बुधवार को यमुनोत्री और गंगोत्री, 2 मई को केदारनाथ धाम और 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। बुधवार को मां गंगा की डोली मुखबा से गंगोत्री धाम के लिए रवाना हुई। भैरो घाटी में विश्राम के बाद 30 अप्रैल को डोली सुबह 9 बजे गंगोत्री धाम पहुंचेगी। इसके बाद यात्रा की विधिवत शुरुआत होगी। अब तक 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

जासूसी के शक में मोची गिरफ्तार

बठिंडा, ईएमएस। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पंजाब स्थित बठिंडा कैंट में प्राइवेट तौर पर काम कर रहे मोची को पकड़ा गया है। सेना ने उसे जासूसी के शक में पकड़ने के बाद पंजाब पुलिस के थाना कैंट के हवाले किया है। पकड़ा गया मोची 26 साल का सुनील कुमार है। जो मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला है। उसके मोबाइल से चैटिंग मिली है, जो पाकिस्तानी लड़की के साथ होने का शक है। ऐसे में उसे हनीट्रैप में फंसाने का भी शक जताया जा रहा है। पुलिस ने उस पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 52 यानी किसी साजिश के तहत केस दर्ज किया है।

आज का कार्टून

अमेरिका का 500 करोड़ का विमान लाल सागर में गिरा

एयरक्राफ्ट कैरियर से फिसला सुपर हॉर्नेट फाइटर जेट

वाशिंगटन, ईएमएस। अमेरिकी नौसेना का एक एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट फाइटर जेट एयरक्राफ्ट कैरियर से फिसलकर लाल सागर में गिर गया है।

यह फाइटर जेट एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस हैरी एस. ट्रूमन पर तैनात था। यूएस नेवी के मुताबिक यह हादसा तब हुआ जब नौसेना के जवान विमान को हैंगर में खींचकर ले जा रहे थे। इसी दौरान विमान हैंगर डेक से फिसलकर समुद्र में गिर गया। साथ में उसे खींचने वाला वाहन भी पानी में चला गया। विमान की कीमत 6 बिलियन डॉलर यानी करीब 500 करोड़ है। नेवी के मुताबिक विमान को खींच रहे जवानों को जैसे ही खतरे का अंदेशा हुआ वे पीछे हट गए।

उज्जैन में जैन स्थानक पर पथराव...

साध्वियां बाल-बाल बचीं

उज्जैन, ईएमएस। नीमच में जैन संतों पर हमले के 15 दिन बाद उज्जैन में भी सोमवार रात को अज्ञात हमलावरों ने जैन स्थानक पर पत्थरबाजी की। इससे भवन के शीशे टूट गए।

अरविंद नगर स्थित जैन समाज के समता भवन स्थानक में उदयपुर से आई साध्वी प्रज्ञा, साध्वी प्रेक्षा, साध्वी प्रणति, साध्वी प्रशस्ति ठहरी हुई हैं। गनीमत ये रही कि स्थानक में सो रही इन साध्वियों को चोट नहीं लगी। मंगलवार सुबह जैन समाज के लोगों को तोड़फोड़ की खबर लगी तो स्थानक के बाहर भीड़ लग गई।

गार्डन के पास बर्तन धोने को लेकर विवाद

स्थानक ट्रस्ट के शुभम सूर्या ने बताया कि विवाद सोमवार शाम को हुआ। भोजन के बाद साध्वियां स्थानक के सामने स्थित बगीचे के पास पात्र (बर्तन) धो रहीं थी। इस दौरान पास ही रहने वाले कुछ लोगों ने इस पर आपत्ति ली। उन्होंने कहा कि आप लोग यहां बर्तन नहीं धो सकते। आप यहां गंदगी कर रहे हैं। हम भी गंदगी फेकेंगे।

साध्वी ने माफी मांगी सुबह शीशे टूटे मिले

इसके बाद साध्वी प्रज्ञा ने लोगों की आपत्ति पर माफी मांगी और आगे से गंदगी न करने की बात भी कही। लेकिन, रात करीब डेढ़ बजे स्थानक में शीशे टूटने की आवाज आई।

दिल्ली के निजी स्कूलों की मनमानी पर लगेगी लगाम

स्कूल फीस बिल को मिली मंजूरी रूल्स तोड़े तो...

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली सरकार ने निजी स्कूलों में फीस बढ़ोतरी की मनमानी पर रोक लगाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली कैबिनेट ने दिल्ली स्कूल एजुकेशन ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस, 2025 बिल को मंजूरी दे दी है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस बिल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह दिल्ली के 1677 गैर-सहायता प्राप्त और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों पर लागू होगा। यह बिल सरकार के पहले 65 दिनों में ही पेश किया गया है, जो अभिभावकों की शिकायतों के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सरकार को अभिभावकों से स्कूलों में दुर्व्यवहार और मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने की कई शिकायतें मिली हैं। जवाब में, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को स्कूलों का निरीक्षण करने के लिए भेजा गया। इसके बाद, एक ऑडिट किया गया।

पेंच टाइगर रिजर्व में बाघ शावक की मौत

बाघिन की मौजूदगी में मिला अचेत शावक

सिवनी, ईएमएस। सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व में एक मादा बाघ शावक की मौत हो गई। यह घटना सोमवार शाम को कर्माझिरी परिक्षेत्र की बायसन बीट में हुई। पेंच टाइगर रिजर्व के उप संचालक रजनीश सिंह ने दोपहर 1 बजे घटना की जानकारी दी। गश्ती टीम को 7 माह का बाघ शावक अचेत अवस्था में मिला। शावक के पास उसकी मां बाघिन मौजूद थी। बाघिन की मौजूदगी के कारण टीम शावक तक नहीं पहुंच सकी। हाथी दल की मदद से शावक पर निगरानी रखी गई। कुछ समय बाद शावक की मृत्यु हो गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक के निर्देश पर वन्यप्राणी चिकित्सक की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया। वैज्ञानिक जांच के लिए सैंपल लिए गए।

राम मंदिर का निर्माण 5 जून को पूरा होगा

शिखर पर 42 फीट ऊंचा धर्म ध्वज दंड लगाया

अयोध्या, ईएमएस। अयोध्या राम मंदिर का निर्माण इस साल 5 जून तक पूरा हो जाएगा। मंगलवार दोपहर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के शिखर पर 42 फीट ऊंचा धर्म ध्वजदंड भी लगाया गया है। अब दंड के सबसे ऊपरी हिस्से पर ध्वज लगाया जाएगा।

राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा है। ध्वज लगने के बाद मंदिर की ऊंचाई 203 फीट होगी। ध्वजदंड का वजन 5.5 टन है और यह पीतल (ब्रास) से बना है। इसकी आयु करीब 100 साल है। इसे 60 कारीगरों ने 7 महीने में तैयार किया है।

क्रेन की मदद से ध्वजदंड को लगाया गया

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बताया- मंगलवार सुबह साढ़े 6 बजे, 160 फीट की ऊंचाई पर शिखर के पास इंजीनियर ऊपर चढ़कर मौजूद रहे। यहां 2 क्रेनों की मदद से ध्वजदंड को ट्रॉले के ऊपर से उठाया गया। धीरे-धीरे उसे वर्टिकल खड़ा किया गया, फिर क्रेन की सहायता से मुख्य शिखर पर स्थापित किया गया।

साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल की एक रिपोर्ट में हुआ खुलासा

पाकिस्तान में पल रहे 150 से ज्यादा आतंकी संगठन

● नई दिल्ली, ईएमएस

पाकिस्तान में इस वक्त 150 से ज्यादा आतंकी संगठन सक्रीय हैं। लेकिन इन आतंकी संगठनों के हिस्से सिर्फ पांच काम हैं।

और इन पांच में भी सबसे ज्यादा फोकस सिर्फ एक काम पर है, और वो है कश्मीर। इसका खुलासा साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल की एक रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई की मदद से ये सभी आतंकी संगठन पोषित किए जा रहे हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तब जो कहा था वो आज भी उतना ही सच है। हम दोस्त बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं। और बस बरसों से यही दिक्कत है हमारी। ऊपर से पड़ोसी अगर पाकिस्तान हो तो ये दिक्कत नहीं मुसीबत बन जाती है। पिछले तीन दशक से पाकिस्तान सरहद पार से भारत में आतंक भेजता रहा। अब अगर ये बात खुद पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर भी ऐलानिया कह दें तो फिर शक की कोई गुंजाइश बचती ही कहां है।

मजहब के नाम पर कट्टरवाद

सरहद की लकीरों को बांट कर बना था हिंदुस्तान और पाकिस्तान। मगर लकीर के उस पार जाने के बाद क्या हुआ पाकिस्तान का? जम्हूरियत के पहनावे में अकसर फौजी वर्दी का पहनावा क्यों हावी हो जाता है पाकिस्तान में? मजहब के नाम पर क्यों कट्टरवाद को जगह दे दी जाती है पाकिस्तान में? आतंक के आकाओं को मजहबी रहनुमाओं का दर्जा कैसे मिल जाता है पाकिस्तान में? आतंक की फैक्ट्री चलाने के लिए आतंकवादियों को सरकारी जमीन कैसे मिल जाती है पाकिस्तान में? यानी कुल मिला कर सवाल ये है कि आखिर पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सबसे महफूज जगह क्यों है?

2024 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान को दुनिया का सबसे खतरनाक देश बताया था। तब बाइडेन ने कहा था कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है। उसके पास बिना किसी निगरानी के न्यूक्लियर बम है। और 150 से ज्यादा आतंकवादी संगठन। दरअसल, बाइडेन ने तब गलत नहीं कहा था।

पाकिस्तान के हर राज्य में आतंकी संगठन

साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक पूरे पाकिस्तान में एक भी ऐसा राज्य नहीं है जहां कोई आतंकवादी संगठन या आतंकवादी ना हो। दिसंबर 2023 में अमरिकी संसद में पेश एक दस्तावेज में बताया गया था कि पाकिस्तान में कुल पांच तरह के आतंकवादी संगठन काम करते हैं- पहला, जो दुनिया के किसी भी देश में हमला करते हैं। दूसरा, जो सिर्फ अफगानिस्तान में हमले करते हैं।

पांचवें दिन भी सीजफायर उल्लंघन

श्रीनगर, ईएमएस। भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर में हालिया हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पाकिस्तान ने लगातार पांचवें दिन सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को भी नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी की है।

डीएसपी को क्यों मांगनी पड़ी सार्वजनिक माफी

चंडीगढ़,ईएमएस। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी के कार्यक्रम में बीजेपी नेता को मंच पर जाने से रोकना डीएसपी को भारी पड़ गया। उस बीजेपी नेता ने डीएसपी को माफी मंगाने पर मजबूर कर दिया और उन्हें माफी मांगनी पड़ी। यही नहीं सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी वायरल हो गया।

फटाफट खबरें

गांव से पुरुष घर छोड़कर भागे

सरायकेला, ईएमएस। झारखंड के नीमडीह के झीमड़ी में शनिवार को आगजनी, तोड़फोड़, पथराव के आरोप में 8 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 20 लोगों के खिलाफ नामजद और करीब सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने 3 महिलाओं को भी जेल भेजा है। नीमडीह पुलिस ग्रामीणों के घर जाकर और घटना में शामिल लोगों को उठाने का काम कर रही है। इसके बाद से गांव में सन्नाटा पसरा है। पुरुष गांव छोड़कर भाग गए हैं। घर में सिर्फ महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग हैं। पीड़िता के धर्मांतरण के बाद गांव का माहौल बदल रहा था।

शेखपुरा में दो पक्षों में विवाद, 6 घायल

शेखपुरा, ईएमएस। शेखपुरा के अरियरी थाना क्षेत्र के रौंदी गांव में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के 6 लोग घायल हुए हैं। घायलों में संतोष महतो (50), उनकी पत्नी मंजू देवी और उनके दो बेटे राहुल कुमार और रंजन कुमार वहीं दूसरे पक्ष से बनवारी महतो और उनकी पत्नी कलावती देवी के रूप में हुई है। घायलों में से दो की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घायल मंजू देवी ने बताया कि वह अपने घर में बच्चों को डांट रही थीं। तभी कलावती देवी को लगा कि मंजू उन्हें गाली दे रही हैं। इस पर कलावती ने मंजू को गाली देना शुरू कर दिया। जब मंजू ने उन्हें गाली देने से मना किया।

पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

जिनेवा, ईएमएस। यूएन में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजना पटेल ने कहा, पूरी दुनिया ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को आतंकवादी संगठनों को समर्थन, फंड और ट्रेनिंग देने के पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार करते हुए सुना है। इस कबूलनामे से किसी को कोई हैरत नहीं है और यह पाकिस्तान को दुष्ट राष्ट्र के रूप में दिखाता है, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है और क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है। दुनिया आंख बंद नहीं कर सकती। खबर है कि भारत ने खासतौर से पड़ोसी मुल्क के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान का जिक्र किया है, जिसमें वह आतंकवादियों को पालने की बात स्वीकार करते नजर आ रहे हैं।

भारत को जो चाहिए हम देंगे: इजरायल

नई दिल्ली, ईएमएस। हमास जैसे आतंकियों के खिलाफ लड़ रहे इजरायल ने भारत के प्रति दिलेरी दिखाई है। इजरायल ने साफ कहा कि भारत को जो चाहिए हम देंगे, लेकिन आतंकियों का चुन चुनकर सफाया होना चाहिए। ये पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा है इसलिए हर एक देश को आतंक के खिलाफ जंग लड़ने की जरुरत है। तभी दुनिया में शांति स्थापित होगी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से इजरायल लगातार भारत के संपर्क में है। इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तुलना 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए हमास के हमले से की।

राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे अपने संसदीय क्षेत्र...

एक तरफ स्वागत तो दूसरी तरफ लगे विरोधी पोस्टर

एटम सोलर रुफ प्लांट और एटम इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का किया उद्घाटन

● रायबरेली, ईएमएस

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे हैं। दौरे के दौरान पहले दिन उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में हुई जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में वह बतौर सभापति शामिल हुए, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। राहुल गांधी की मौजूदगी में हुई इस बैठक में पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की गई और संबंधित विभागों से प्रगति रिपोर्ट मांगी गई।

पिछली बैठक में जिन मामलों पर कार्य नहीं हुआ था, उन्हें लेकर राहुल गांधी ने अधिकारियों से जवाब-तलब किया। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की और जमीनी हकीकत जानने पर जोर दिया। राहुल गांधी के साथ अमेठी से सांसद केएल शर्मा भी दिशा की बैठक में मौजूद रहे।

विशाखा इंडस्ट्रीज का किया दौरा

दो दिवसीय दौरे के दौरान सांसद राहुल गांधी ने बछरावां क्षेत्र की विशाखा इंडस्ट्रीज का दौरा किया, जहां उन्होंने कंपनी के कार्यों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने दो मेगावॉट एटम सोलर रूफ प्लांट और एटम इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। सामाजिक सरोकार की दिशा में पहल करते हुए उन्होंने 15 जरूरतमंदों को हाथ ठेले भी वितरित किए।

पोस्टर बार भी आया नजर

इस बीच, राहुल गांधी के दौरे से पहले हरचंदपुर क्षेत्र में उनके खिलाफ लगाए गए कुछ पोस्टर और होर्डिंग चर्चा का विषय बने रहे। इन पोस्टरों में उनके कथित बयानों को लेकर नाराजगी जताई गई है। एक पोस्टर में लिखा गया, 'तुम जातिवाद से तोड़ोगे, तो हम राष्ट्रवाद से जोड़ेंगे।' वहीं, एक अन्य पोस्टर में अपील की गई, 'राहुल गांधी जी, कृपया हमारी रायबरेली को जातिवाद में मत उलझाइए।'

लखनऊ एयरपोर्ट पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

कांग्रेसा सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज 29 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के रायबरेली जाने से पहले लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरे। यहां लखनऊ एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। लखनऊ से राहुल गांधी रायबरेली जा रहे हैं जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उनका यह दौरा 30 अप्रैल तक जारी रहेगा, जिसमें वह रायबरेली और अमेठी, दोनों क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने और विकास कार्यों की समीक्षा पर जोर देंगे। राहुल गांधी इस दौरे के दौरान 30 अप्रैल को भुएमऊ गेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं और आम जनता से संवाद करेंगे। इसके पश्चात वे अमेठी में गन फैक्ट्री और इंडो-रसियन रायफल्स कोरवा का निरीक्षण भी करेंगे। मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में ओपन हार्ट सर्जरी के ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन और इंदिरा गांधी नर्सिंग कॉलेज का भ्रमण करना भी उनके कार्यक्रम में शामिल है। इस दौरे के समापन के साथ ही वे एक बार फिर लखनऊ एयरपोर्ट लौटेंगे जहां से वे दिल्ली रवाना होंगे।

कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी को दिखाया 'गायब'

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया पर गायब लिखी एक छवि पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरने की कोशिश की है।

कांग्रेस ने बिना किसी का नाम लिए या लिखे सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक कुर्ता-पैजामा वाली छवि जिसके ऊपर गायब लिखा है पोस्ट की है। कांग्रेस द्वारा शेयर किया गया यह पोस्टर सिधे प्रधानमंत्री मोदी के गायब होने की ओर संकेत करता है। दरअसल कांग्रेस लगातार आतंकी हमले के खिलाफ सरकार के प्रति एकजुटता दिखाते हुए मुंहतोड़ जवाब देने की बात कहती रही है। बावजूद इसके सभी दलों की हुई संयुक्त बैठक से भी पीएम मोदी गायब रहे और इस पर कोई संदेश भी नहीं दिया। अब इसे लेकर भी सवाल किए जा रहे हैं। कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए पोस्टर में छवि का सिर और हाथ-पैर गायब दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस छवि वाले पोस्टर को शेयर करते हुए कहा है, कि जिम्मेदारी के समय गायब। अब लोगों ने इसे सीधे प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस का हमला बता रहे हैं और भाजपा नेता भी कांग्रेस नेताओं के खिलाफ बयान देने सोशल मीडिया पर आगे आ गए।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने की संसद के विशेष सत्र बुलाने की मांग

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इस पत्र में उन्होंने प्रधानमंत्री से लोकसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। साथ ही कहा है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाना चाहिए। पत्र में लिखा है, इस महत्वपूर्ण समय में, भारत को यह दिखाना चाहिए कि हम हमेशा आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने दर्जनों लोगों पर गोलियां चलाईं, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए - जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे- 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से घाटी में सबसे घातक हमला। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ 7, लोक कल्याण मार्ग पर एक अहम बैठक की। यह बैठक सीडीएस जनरल अनिल चौहान द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए अहम फैसलों के बारे में रक्षा मंत्री को जानकारी देने के बाद हुई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आतंकवादियों और उनके समर्थकों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई। उन्होंने पहलगाम हमले के पीड़ितों के परिवारों को यह आश्वासन भी दिया कि न्याय मिलेगा। अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 121वें एपिसोड के दौरान उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल के वर्षों में अभूतपूर्व विकास हुआ है, जिसमें पर्यटन और युवाओं के लिए अवसरों में वृद्धि हुई है, और कहा कि पहलगाम हमला राष्ट्र के दुश्मनों द्वारा क्षेत्र की प्रगति को पटरी से उतारने का एक हताश प्रयास था।

भाजपा ने कहा कांग्रेस पाक से ले रही ऑर्डर

यहां पलटबार करते हुए भाजपा सांसद और पूर्व कैबिनेट मंत्री सैफुद्दीन सोज ने कहा हमसे कहा गया कि हम पाकिस्तान की सुने और पानी नहीं रोके। कांग्रेस आखिर किसके साथ खड़ी है? भारत के या पाकिस्तान के? वहीं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने ऑर्डर पाकिस्तान से ले रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के ट्वीट को तो पाकिस्तान के पूर्व मंत्री साझा करते हैं। इस तरह कांग्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट गायब ने राजनीतिक गलियारे में हलचल पैदा कर दी है और क्रिया की प्रतिक्रिया शुरु हो गई है। आरोप-प्रत्यारोप का यह दौर इन राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को खुलकर बोलने का अवसर तो प्रदान करता दिख रहा है, लेकिन सवाल भी किया जा रहा है कि क्या आतंकी हमले जैसे मामले पर इस तरह से राजनीति होनी चाहिए, जबकि माकूल जवाब देने का यह सही समय है।

ज़िपलाइन ऑपरेटर को एनआईए ने फिर किया तलबः सूत्र

नई दिल्ली, ईएमएस। पहलगाम में एक पर्यटक द्वारा शूट किया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें आतंकवादी हमले के कुछ क्षण दिखाए गए हैं। इस वीडियो में एक शख्स खुद को जिपलाइनिंग करते हुए और जिपलाइन ऑपरेटर को तीन बार अल्लाहु अकबर कहते हुए दिखाया गया है। वीडियो में अल्लाहु अकबर चिल्लाते हुए सुनाई देने वाले ज़िपलाइन ऑपरेटर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों ने बताया कि हमले के बाद घटनास्थल पर मौजूद सभी लोगों को जांच एजेंसियों ने पूछताछ के लिए बुलाया था। ज़िपलाइन ऑपरेटर को एक बार फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है और एजेंसियों द्वारा उससे पूछताछ की जाएगी। यह पहलगाम से एक वीडियो के सामने आने के बाद हुआ है, जिसे ऋषि भट्ट नाम के एक व्यक्ति ने रिकॉर्ड किया था। इस हमले को इस क्षेत्र में सबसे भयानक हमलों में से एक बताया जा रहा है, यह हमला तब हुआ जब वर्दी पहने आतंकवादियों के एक समूह ने बैसरन घास के मैदान में पर्यटकों पर गोलीबारी की।

अहमदाबाद में अवैध बांग्लादेशी बस्ती पर चला बुलडोजर, करीब 800 लोग हिरासत में

अहमदाबाद, ईएमएस। पहलगाम हमले के बाद कई राज्यों की पुलिस अवैध शरणार्थियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। हाल ही में गुजरात पुलिस ने सूरत और अहमदाबाद से एक हजार से ज्यादा बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। वहीं, अब पुलिस ने चंदोला झील के पास बनी बांग्लादेशी बस्ती पर धावा बोला है। चंदोला झील के आसपास बनी सभी झोपड़ियों को जमींदोज कर दिया गया है। इस पूरे इलाके में अवैध बांग्लादेशी शरणार्थी रहते थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चंदोला झील क्षेत्र में बुलडोजर चलाने से पहले पुलिस ने पूरे इलाके की बिजली काट दी। इसके बाद 50 जेसीबी मशीनें और 30 एमएमसी डंपर बुलाए गए। करीब 2000 से ज्यादा पुलिसकर्मी मौजूद थे। बस्ती पर कार्रवाई में 800 संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनमें से 143 की पहचान बांग्लादेशी नागरिक के रूप में हुई है। बस्ती पर कार्रवाई करते समय पुलिस ने पूरे इलाके में 10 से ज्यादा ड्रोन तैनात किए थे, जिससे पूरे इलाके पर नजर रखी जा रही थी। यहां लल्ला बिहारी के फार्महाउस का दरवाजा था, जिसे तोड़कर पुलिस ने फार्महाउस में प्रवेश किया। एमएमसी टीम ने फार्महाउस को ध्वस्त कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ज्वाइंट सीपी (क्राइम) ने बताया कि चंदोला तालाब के आसपास बांग्लादेशियों की अवैध बस्ती थी।

देश में स्पाईवेयर का इस्तेमाल हो रहा है, इसमें गलत क्या

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, अगली सुनवाई 30 जुलाई को

नई दिल्ली, ईएमएस। स्पाईवेयर पेगासस मामले में सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी कर दी है। शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि अगर देश में स्पाईवेयर का इस्तेमाल हो रहा है, तब इसमें गलत क्या है। खास बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा है कि पेगासस के द्वारा जासूसी की जांच कर रही कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं कर सकते।

रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर कोई देश स्पाईवेयर का इस्तेमाल कर रहा है, तब इसमें गलत क्या है? एक बात साफ कर दें कि स्पाईवेयर रखने में कोई परेशानी नहीं है...। इसका इस्तेमाल इस तरह के कुछ लोगों... जैसे... पर किया जा सकता है। राष्ट्र की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं कर सकते। हां सवाल यह हो सकता है कि इसका इस्तेमाल किसके खिलाफ किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल सिविल सोसाइटी व्यक्ति के खिलाफ हो रहा है, तब सोचा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट को नहीं छुआएगा, लेकिन जो व्यक्ति जानना चाहते हैं कि उन्हें इसमें शामिल किया गया है या नहीं, उन्हें सूचित किया जा सकता है। हां, व्यक्तिगत आशंकाओं से निपटा जाना चाहिए लेकिन इस मामले को हर चौहारे पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बनाया जा सकता।

अमेरिका ने भी भारत को दिया धोखा? ट्रंप ने पाक से कर ली डील

नई दिल्ली, ईएमएस। पहलगाम हमले के बाद भारत ने स्पष्ट तौर पर कह दिया है कि वह किसी भी कीमत पर गुनहगारों और साजिशकर्ताओं को सजा देकर ही रहेगा। भारत की इस प्रतिज्ञा के बाद दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। तमाम देशों ने भारत के कार्रवाई करने के अधिकार का समर्थन किया है। लेकिन, दुनिया की दो बड़ी शक्तियों चीन और अमेरिका का रुख स्पष्ट नहीं है। हमले के बाद इन दोनों ही देशों ने इसकी कड़ी निंदा की थी। चीन ने कहा था कि वह किसी भी तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा करता है। अमेरिका ने भी इसकी निंदा की थी। लेकिन, चंद दिनों के भीतर ही इनके रुख बदलने लगे। रविवार को चीन ने पाकिस्तान की ओर से इस हमले की कथित तौर पर स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग का समर्थन कर दिया। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों उसके अच्छे दोस्त हैं। उनके इस बयान से ही संशय की स्थिति पैदा हो गई थी। दरअसल, पहलगाम हमले की जिम्मेदारी द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) नामक एक आतंकवादी संगठन ने ली है। यह लश्कर ए तैयबा का सहयोगी संगठन है। भारत की पहल पर पहलगाम हमले की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने निंदा की। इसके लिए तैयार प्रस्ताव में द रेसिस्टेंस फ्रंट का नाम था। लेकिन, पाकिस्तानी डिप्लोमेटों ने अमेरिका के साथ जमकर सौदेबाजी की और अंतिम प्रस्ताव से इस आतंकवादी संगठन का नाम हटवा दिया। खबरों के मुताबिक इतना ही नहीं बीते दिनों पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में ट्रेन की हाईजैकिंग की घटना पर भी 14 मार्च को सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया था। उसमें भी घटना के लिए 'बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी' का नाम लिखा गया था।

चारधाम यात्रा का सफर होगा आसान, रोपवे का काम शुरू

नई दिल्ली, ईएमएस। केदारनाथ श्रद्धालुओं के लिए राहतभरी खबर हैं, उन्हें खड़ी और ऊंची नीची चढ़ाई चढ़े बगैर केदारनाथधाम के दर्शन हो सकेंगे। वहां पर रोपवे निर्माण का काम शुरू करने की डेट तय हो गयी है, काम शुरू होने के साथ ही पूरा करने का समय भी तय हो जाएगा। सामान्य तौर पर काम अवार्ड होने के छह माह के अंदर शुरू हो जाता है। इस तरह इस साल अक्तूबर तक रोपवे निर्माण का काम जमीनी स्तर पर शुरू होना तय है। रोपवे का काम पूरा होने में छह साल का समय लग जाएग।

इसके बाद कई घंटों का सफर मिनटों का रह जाएगा और दर्शन आसान हो जाएगा। एनएचआईआई की रोपवे निर्माण कंपनी एनएचएलएमएल के सीईओ प्रकाश गौड़ बताते हैं कि सड़क परिवहन मंत्रालय के निर्देश में केदारनाथ रोपवे के टेंडर के बाद काम भी कंपनी को अवार्ड कर दिया गया है। यानी काम शुरू करने का समय तय हो गया है। दरअसल यहां पर छह माह बर्फबारी रहती है, इसलिए साल में केवल छह काम ही किया जा सकेगा। इस तरह संभावना है कि 2031 तक रोपवे निर्माण का काम पूरा हो जाएगा।

वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा में राष्ट्रीय शोक दिवस समारोह के दौरान एक स्मारक ग्लास पैनल के सामने गुलाब रखती एक महिला. कनाडा में प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाया जाता है, ताकि उन लोगों की याद में शोक मनाया जा सके, जिन्होंने नौकरी के दौरान अपनी जान गंवाई है, चोट या बीमारी का सामना किया है, या काम से संबंधित किसी त्रासदी का सामना किया है। (फोटो-ईएमएस)

धमाके से खुला ईरान का राज! बना रहा था मिसाइलों का जखीरा

तेहरान, ईएमएस। हाल ही में ईरान के एक प्रमुख बंदरगाह पर हुए भीषण विस्फोट की खबर आई थी। इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब 46 हो गई है। अब घटनास्थल से हासिल खबरों से विस्फोट के कारण के बारे में और अधिक सवाल उठे हैं। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बंदर अब्बास के पास शाहिद राजाई बंदरगाह पर हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या की सूचना दी। अधिकारियों ने अभी तक विस्फोट के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

निजी सुरक्षा फर्म एम्ब्रे का कहना है यह आग कथित तौर पर ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों में उपयोग के लिए भेजे गए ठोस ईंधन की खेप को ठीक तरीके से नहीं रखने की वजह से हुआ। वहीं, ईरानी सेना ने रासायनिक खेप मिलने से इनकार किया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में विस्फोट से ठीक पहले आग से लाल रंग का धुआं उठता हुआ दिख रहा है। इससे पता चलता है कि विस्फोट में कोई रासायनिक

यौगिक शामिल था, जैसा कि 2020 में बेरूत बंदरगाह विस्फोट में हुआ था। बंदरगाह को मार्च में मिसाइल फ्यूल केमिकल हासिल हुआ था। कंपनी ने कहा कि बंदरगाह पर मार्च में सोडियम परक्लोरेट रॉकेट ईंधन की खेप आई थी। यह ईंधन चीन से दो जहाजों द्वारा ईरान भेजी गई खेप का हिस्सा है। इस ईंधन का उपयोग ईरान में मिसाइल भंडार को पुन-स्थापित करने के लिए किया जाना था, जो गाजा पट्टी में हमास के साथ युद्ध के दौरान इजरायल पर सीधे हमलों के कारण समाप्त हो गया था।

करांची में उतरा विमान और सैन्य उपकरण सप्लाई पर मचा हंगामा तो बोला तुर्की...

पाकिस्तान को हमने कोई हथियार नहीं दिए

स्पष्टीकरण में कहा- ईंधन भरने के लिए उतरा था विमान

● अंकारा, ईएमएस

भारत पाकिस्तान की तनातनी के बीच एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया है तुर्की ने पाकिस्तान को हथियारों की एक खेप भेजी है। यह माल वाहक विमान कराची में उतारा गया है। इस पर मचे हंगामे के बाद तुर्की ने सफाई देते हुए कहा कि हमने पाकिस्तान को कोई हथियार नहीं भेजे हैं और दोनों देशों को मिलकर तनाव कम करना चाहिए। यह बयान तब आया है जब सोशल मीडिया पर खबरें वायरल हो रही हैं कि तुर्की का एक सैन्य परिवहन विमान सी-130ई हरक्यूलिस कराची में उतरा, जिसमें कथित तौर पर सैन्य उपकरण थे।

तुर्की के राष्ट्रपति संचार निदेशालय ने स्पष्ट किया कि विमान केवल तेल भरने के लिए

पाकिस्तान में रुका था और इसका कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था। सोमवार, 28 अप्रैल को अरब सागर के ऊपर उड़ान भरते हुए देखे गए इस विमान ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच व्यापक अटकलों को जन्म दिया।

कुछ मीडिया रिपोर्टों ने दावा किया गया कि करीब छह सी-130ई विमान पाकिस्तान में उतरे। हालांकि, तुर्की ने इन दावों को निराधार बताया और कहा, पाकिस्तान में एक कार्गो विमान केवल ईंधन भरने के लिए रुका था और फिर अपनी यात्रा पर आगे बढ़ गया। अधिकृत व्यक्तियों और संस्थानों के बयानों के बिना की गई अटकलों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। तुर्की और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुई है। तुर्की पाकिस्तान को ड्रोन और अन्य सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है। फिर भी, इस ताजा घटना में तुर्की ने स्पष्ट रूप से किसी भी सैन्य सहायता से इनकार किया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है।

तुर्की के एर्दोआन भी कर रहे अपील

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने की अपील की है। यह बयान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ी तनातनी के मद्देनजर आया है। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी।अंकारा में एक कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एर्दोआन ने कहा, हम नहीं चाहते कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव गंभीर स्तर तक पहुंचे। हम दोनों देशों से आग्रह करते हैं कि वे स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने पाकिस्तानी जनता के प्रति तुर्की के मजबूत समर्थन की भी पुष्टि की।

मल्टीपल बिजली कनेक्शनों का बिल भुगतान अब एक क्लिक पर

भोपाल (ईएमएस)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट और शासकीय तथा अशासकीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिजली बिल का भुगतान करने के लिए समेकित भुगतान तंत्र विकसित कर नई सुविधा उपलब्ध कराई है। यह प्रणाली मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के उन बिजली उपभोक्ताओं को भुगतान करने में मदद करेगी जैसे कि नगर निगम,मप्र एवं भारत सरकार के उपक्रम, सरकार तथा निजी क्षेत्र के बैंक तथा निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियां।

राजधानी लोकल

30 अप्रैल को बिजली बिल भुगतान केन्द्र खुलेंगे

भोपाल (ईएमएस)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 30 अप्रैल (परशुराम जयंती) को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त अवकाश के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे।

फटाफट खबरें

बंद फ्लैट में मिली बुजुर्ग की लाश

भोपाल(ईएमएस)। पिपलानी थाना इलाके में स्थित स्टीम होम्स इंद्रपुरी में एक बुजुर्ग की लाश बंद फ्लैट में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जॉच के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया की शव पुराना होने के कारण बुरी तरह से सड़ चुका था। पुलिस के अनुसार सत्यजीत सिंह हुंडल (65) फ्लैट नंबर-303, स्टीम होम्स में अकेले रहते थे। उनके पड़ोसियो ने पुलिस को सूचना देते हुए बताया की सत्यजीत बीते तीन-चार दिन से नजर नहीं आये है, और उनके फ्लैट का दरवाजा भी कई दिनो से बंद है, वहीं फ्लैट के अंदर से दुर्गंध आ रही है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सफाईकर्मी को बुलाते हुए फ्लैट का दरवाजा तोड़ा। अंदर जाकर देखने पर सत्यजीत सिंह की लाश सौफे पर पड़ी नजर आई।

सफर के दौरान 85 हजार का माल चोरी

भोपाल (ईएमएस)। यशवंतपुर-अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस में बैंगलोर से उज्जैन का सफर कर रहे युवक के बैग से अज्ञात आरोपी नकदी, मोबाइल समेत करीब 85 हजार का माल निकालकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार बैंगलोर के रहने वाले भरतराज पुरोहित (43) ने उज्जैन जीआरपी को लिखित शिकायत करते हुए बताया की पिछले दिनों वह परिवार के साथ यशवंतपुर अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में बैंगलोर से उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। रात करीब डेढ़ बजे ट्रेन भोपाल स्टेशन से निकल रही थी, उसी समय सीट पर रखे उनके पिट्ठू बैग से अज्ञात आरोपियो ने उसमें रखी 20 हजार की नकदी, तीन मोबाइल समेत करीब 85 हजार रुपए का सामान उड़ा दिया। भरतराज ने मामले की शिकायत उज्जैन जीआरपी से की थी, जहां से केस डायरी आने के बाद भोपाल जीआरपी ने असल कायमी कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

शार्ट सर्किट को हल्के में न लें, ठीक करवाएं

भोपाल (ईएमएस)। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आमजन को आगाह किया है कि घर अथवा संस्थान में कहीं भी शार्ट सर्किट हो रहा है तो उसे हल्के में न लें, बल्कि तुरंत इलेक्ट्रिशियन को बुलाकर ठीक करवाएं। ऐसे में जरा सी असावधानी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके लिए आमजनों को भी करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करना आवश्यक है। कंपनी ने कहा है कि यदि घरों में अर्थिंग नहीं है तो वायरिंग के पहले अर्थिंग जरूर दें। इसके साथ ही घटिया या सस्ती वायरिंग की बजाय मानक स्तर की वायरिंग करवाएं, ताकि शार्ट सर्किट से होने वाली हानियों से बचा जा सके। एक अनुमान के मुताबिक ज्यादातर शार्ट सर्किट की घटनाएं या तो घटिया वायरिंग के कारण होती हैं, या फिर ज्यादा समय से पुरानी वायरिंग होने के चलते शार्ट सर्किट की घटनाएं होती हैं।

महिला ने छत से कूदकर की थी आत्महत्या

भोपाल (ईएमएस)। ईटंखेड़ी थाना इलाके में बीते दिनो महिला द्वारा छत से कूदकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने कैफे संचालन करने वाले युवक के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला कायम किया है। महिला कैफे में ही काम करती थी। युवक ने दूसरी लड़की से शादी कर ली थी, इसके बाद भी वह महिला को परेशान कर रहा था। दोनों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर भी विवाद था, वहीं वह वह महिला की हर हरकत पर नजर रखता था। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना इलाके में स्थित गॉव में 33 वर्षीय रानी परिवार के साथ रहती थी। 9 अप्रैल की रात करीब तीन बजे परिवार वाले उसे छत से गिरने पर नाजूक हालत में इलाज के लिये पीपूल्स अस्पताल लेकर पहुंचे थे।

आरोपी ने भीड़ को भड़काने के लिए दिया सांप्रदायिक बयान

पुलिसकर्मी से मारपीट करने वाले 3 गिरफ्तार

भोपाल,ईएमएस।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से मारपीट और अभद्रता करने वाले मुख्य तीनों आरोपियों को जीआरपी भोपाल ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रेलवे राहुल कुमार लोढ़ा और उप पुलिस अधीक्षक बिट्टू शर्मा के निर्देशन में की गई।

घटना 26-27 अप्रैल की दरम्यानी रात करीब 1:30 बजे की है, जब स्टेशन परिसर की पार्किंग में एक कार में महिला सहित तीन युवक शराब पीते हुए पाए गए। मौके पर ड्यूटी पर तैनात प्रधान आरक्षक नजर दौलत खान द्वारा मना करने पर आरोपियों ने उनसे गाली-गलौच करते हुए मारपीट की। भीड़ का फायदा उठाकर दो आरोपी और महिला मौके से फरार हो गए थे, जबकि आरोपी जितेंद्र यादव को तुरंत पकडक़र थाने लाया गया। इसके बाद जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर अन्य फरार आरोपियों की तलाश शुरू की।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित की और लगातार संभावित ठिकानों लांबाखेड़ा, करोंद, भानपुर और चौपड़ा में दबिश दी। मंगलवार को पुलिस ने तीनों आरोपियों को मनोहर डेरी भोपाल के पास से गिरफ्तार कर लिया।

ये तीनों आरोपी दिलीप अहिरवार (35 वर्ष) निवासी रुस्तमपुर, थाना निशातपुरा, भोपाल, उमर अली रजा (29 वर्ष) निवासी पंचवटी फेस-2, कोहेफिजा, भोपाल और जितेंद्र यादव (32 वर्ष) निवासी ग्राम सूलिया, थाना चौरई, जिला छिंदवाड़ा हैं। पुलिस ने घटनास्थल से एक काली स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल आरोपी कर रहे थे।

सांप्रदायिक टिप्पणी कर भीड़ को भड़काने की कोशिश

गिरफ्तार मुख्य आरोपी दिलीप अहिरवार ने घटनास्थल पर भीड़ को भडक़ाने के उद्देश्य से पुलिसकर्मियों से कहा कि तुम हट जाओ, तुम हिन्दू हो, ये पुलिस वाला मुसलमान है। पुलिस ने इस बयान को गंभीरता से लेते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 196 बीएनएस भी मामले में जोड़ दी है।

एसआई को टक्कर मारने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

भोपाल(ईएमएस)। निशातपुरा थाना इलाके में नाइट ड्यूटी के दौरान एसआई को टक्कर मारने वाले एक आरोपी अमन कुरैशी को पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसे साथ मौजूद दो अन्य आरोपियो की जानकारी जुटा रही है। जानकारी के अनुसार आरोपी का कहना है, उसने घटना वाली रात बाइक पर साथ में मौजूद दो लोगों को लिफ्ट दी थी। वह उन दोनों को नहीं पहचानता।

स्मार्ट सिटीज में स्मार्ट उपकरणों की भूमिका : प्रो.भारद्वाज कुलगुरु

विश्व दिवस कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा

उज्जैन,ईएमएस। विक्रम विवि उज्जैन के परिसर में पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क प्रसंग मनाया गया। प्रो.डा.अर्पण भारद्वाज कुलगुरु विक्रम विवि विक्रम विवि उज्जैन ने अपने शुभकामना संदेश देते हुए इस वर्ष की थीम स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका के परिप्रेक्ष्य में अपने वक्तव्य में कहा कि कार्यस्थल पर एआई, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का उपयोग करके सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया जाएगा। इस अवसार पर संस्थान में पधारे स्मार्ट सिटी उज्जैन के ही सक्रिय युवा चिकित्सक एवं दर्द रोग विशेषज्ञ डा अविनाश बूंदीवाल ने विद्यार्थियों को लाइव डिमांस्ट्रेशन देते हुए बताया कि आज के दौर में डेस्कटॉप, कालर बॉन्स सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस मोबाइल टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की पेशेगत चुनौतियों का सामना करने के लिए शारीरिक सक्रियता गतिविधियों, मार्शल आर्ट, जूडो कराटे ओपन आउटडोर जैसी खेल विधाओं की आसान प्रैक्टिस को भी बढ़ावा देने की आज नितांत आवश्यकता है प्रो डा धर्मेंद्र मेहता निदेशक पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान ने बताया कि 2025 की थीम इस बात पर जोर देती है कि कैसे नई तकनीकें कार्यस्थल को और सुरक्षित और स्वस्थ बनाने में मदद कर सकती हैं। यह दिन दुनिया भर में कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है संयुक्त राष्ट्र संपोषणीय विकास लक्ष्य क्रमांक 3 भी अच्छे स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर ही निर्धारित है डा मेहता ने काम के माहौल को तनावमुक्त और स्वस्थ रखने में सक्षम मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का उल्लेख भी किया। इस अनूठे आयोजन अवसर पर अतिथि वक्ता एवं प्रसंग परिचय देते हुए संस्थान संकाय एवं निदेशक भारत अध्ययन केंद्र डा.सचिन राय ने स्मार्ट हेलमेट, सुरक्षा सेंसर और स्वचालित निगरानी प्रणालियों, सिक्योरिटी बेल्ट्स, सिक्योरिटी लॉक्स, मिर्ची पाउडर जैसे उपकरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि इन के उपयोग करके कार्यस्थल पर पुरुष एवम महिला कर्मचारियों की सुरक्षा जोखिम को कम किया जा सकता है।

भविष्य में हादसों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाते हुए

यह दिन हम सबको एक मौका देता है कि हम सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझें। डा सचिन राय ने बताया कि स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम, ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए भी तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कार्यस्थल कर्मचारियों की भलाई आत्म सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

तेज स्पीड कार ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

भोपाल (ईएमएस)। नजीराबाद इलाके में तेज रफ्तार कार ने बाइकसवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई वहीं उसका साथी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका उपचार जारी है। इसी थाना इलाके में हुए एक और हादसे में दो भाई घायल हो गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम रमहा में रहने वाला विशाल सिंह (22) सोमवार की शाम करीब चार बजे वह अपने दोस्त आजाद के साथ बाइक पर सवार होकर निजी काम के चलते जा रहा था। ग्राम खजूरिया जोड़ के पास पहुंचने पर तेज रफ्तार कार ने विशाल की बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगने से दोनो चलती बाइक सहित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए बैरसिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद विशाल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिकले पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है। वहीं घायल साथी का अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। मर्ग कायम कर पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार की पहचान कर ली है, जिसके चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। इसी थाना इलाके में हुए दूसरे हादसे की जानकारी देते हुए।

वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध को लेकर 15 मिनट बिजली बंद रखे : मसूद

भोपाल (ईएमएस)।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड अपनी मुहिम लगातार जारी रखे हुए है। बोर्ड की तरफ से कहा गया है, कि वक्फ बचाओ मुहिम शाहबानो मामले की तरह शहर से लेकर गांव तक चलाई जाएगी। सभी प्रदेशों की राजधानियों में धरना और गिरफ्तारी कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

नए वक्फ कानून का विरोध कर रहे मुस्लिम पर्सनलल लॉ बोर्ड ने विरोध प्रदर्शनों के लंबे कार्यक्रम का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन का पहला दौर 10 अप्रैल से शुरू किया गया था, जो 7 जुलाई तक चलेगा। इसी कड़ी में 30 अप्रैल की रात 9 बजे से 9:15 बजे तक प्रदेश मे घर, फैक्ट्री, दफ्तर में ब्लैक आउट करने का आह्वान किया गया है। बोर्ड के सदस्य और कांग्रेस विधयाक आरिफ मसूद ने जानकारी देते हुए बतायसा की हर जिला मुख्यालय पर ब्लैक आउट का आह्वान किया है, मसूद ने कहा कि जो लोग इस काले कानून के खिलाफ हैं, वह अपने घरों, फैक्ट्री, मकानों, दुकानों की लाइट 15 मिनट के लिए बंद रखें। बोर्ड ने लोगों से अपील की है, कि 30 अप्रैल की रात 9 बजे लोग लाइट बंद करके अपना विरोध दर्ज कराएं।

निगम के अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ एम.पी.नगर क्षेत्र में की अतिक्रमणों को हटाने की बड़ी कार्यवाही

भोपाल (ईएमएस)। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के अनेक क्षेत्रों के साथ एम.पी. नगर जोन -1 डी.बी.मॉल के सामने बड़ी कार्यवाही करते हुए 05 ट्रक सामान तथा अन्य स्थानों से भी विभिन्न प्रकार की सामग्री जप्त की। निगम अमले ने अर्जुन नगर क्षेत्र में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के कार्यों में बाधक 18 झुग्गियां भी हटाई और जिला प्रशासन की कार्यवाही में सहयोग करते हुए रोशनपुरा क्षेत्र से एक मकान का सामान हटवाया तथा रेल कोच फैक्ट्री द्वारका नगर में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए 25 पक्के पिलर एवं बाउंड्रीवाल भी तोड़ी।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने मंगलवार को जोन क्र. 12 के अंतर्गत वार्ड क्र. 43 के एम.पी.नगर जोन-1 डी.बी.मॉल के सामने, करोंद चैराहा, अशोका गार्डन, अयोध्या नगर, भोपाल टॉकीज, इण्डस टाउन, होशंगाबाद रोड, रंग महल, न्यू मार्केट, टीन शेड, लिंक रोड नंबर 02, रोशनपुरा, बापू की कुटिया, बोट क्लब, मैदा मिल अर्जुन नगर, द्वारका नगर, नारियलखेड़ा, आनन्द नगर, हथाइ 'खेड़ा, अयोध्या बायपास, नई अदालत, कोलार डी-मार्ट, संस्कार गार्डन, फाईन एवेन्यु फेस-2, समरधा, 11 मील, एल.बी.एस हॉस्पिटल, रॉयल मार्केट, काला दरवाजा, घोड़ा नक्कास आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एम.पी. नगर जोन-1 डी.बी. मॉल के सामने से विभिन्न अतिक्रमणों को हटाया और 05 ट्रक सामान जप्त किया।

बहुचर्चित 52 किलो सोना और 11 करोड़ कैश मामला

सौरभ शर्मा के करीबी और इंस्पेक्टर समेत चार आरक्षकों को नोटिस जारी

भोपाल, ईएमएस। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुचर्चित आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा मामले में उनके करीबी भी रडार पर आये है। इसी कड़ी में चेक पोस्टों पर तैनात रहे इंस्पेक्टर और चार आरक्षकों को लोकायुक्त पुलिस ने नोटिस जारी किया है। मामले में परिवहन इंस्पेक्टर किशोर सिंह बघेल, सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर वीरेश कुमार तुमराम सहित 4 आरक्षकों को नोटिस जारी किया है। बता दें कि सौरभ शर्मा के भोपाल स्थित घर पर लोकायुक्त ने 9 दिसंबर 2024 को छापेमार कार्रवाई की थी। छापे के दौरान करोड़ों का कैश और सोना मिला था। आयकर विभाग की टीम ने एक लग्जरी कार से 11 करोड़ कैश और 52 किलो सोना बरामद किया था। मामले उजागर होते ही प्रदेश की सियासत में भूचाल आ गया था। सत्ता पक्ष और विपक्ष में मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर रहा है। मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी और जांच जारी है। मामले में अभी ज्ञात नहीं हुआ है कि 52 किलो सोना और 11 करोड़ कैश किसका था। विपक्ष ने सरकार सहित परिवहन मंत्री पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। फिलहाल मामले में लोकायुक्त, ईडी और ईओडब्ल्यू कार्रवाई कर चुकी और जांच जारी है।

23 इलाकों में जांच जारी, 14 मोहल्लों के भूजल में मिला कार्बाइड का जहर

यूका के आस-पास के 42 इलाकों में पानी प्रदूषित

भोपाल,ईएमएस।

भोपाल के जेपी नगर में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के 42 इलाकों में भूजल प्रदूषित है। 4 दिन पहले 19 इलाकों में पानी की जांच की गई थी। बाकी बचे 23 इलाकों में मंगलवार को जांच टीम पहुंची। जिनमें डीआईजी बंगला क्षेत्र भी शामिल है। इस दौरान गैस पीड़ित संगठनों के पदाधिकारी भी मौजूद हैं। निरीक्षण कार्य शाम तक चला। प्रदूषित मोहल्लों में यह निरीक्षण सुप्रीम कोर्ट के 30 अगस्त 2018 के आदेश पर गठित निगरानी समिति के निर्देश पर किया जा रहा है। इससे पहले, 25 अप्रैल को भोपाल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनीत अग्रवाल की अध्यक्षता में 19 मोहल्लों का निरीक्षण किया गया था।

भूजल में कार्बाइड का जहर मिला

भोपाल ग्रुप फॉर इनफॉर्मेशन एंड एक्शन की संयोजक रचना ढिंगरा ने बताया कि फैक्ट्री के आसपास के 14 मोहल्लों के भूजल में कार्बाइड के जहर (हैवी मेटल्स, कीटनाशक और पर्सिस्टेंट ऑर्गेनिक पॉल्यूटेंट्स) पाए गए थे। इसके बाद सभी मोहल्लों में पाइपलाइन के जरिए साफ पानी उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए। 2012 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सीकोलॉजिकल रिसर्च को इन 14 बस्तियों के अलावा 8 अन्य मोहल्लों का पानी भी कार्बाइड के जहर से प्रदूषित मिला था।

त्रिवेणी योग में आज समृद्धि की अक्षय तृतीया

शुभ खरीददारी के लिए शहर के सराफा और बर्तन बाजार कल अलसुबह से देर रात तक खुले रहेंगे

भोपाल,ईएमएस। पवित्र वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की समृद्धि भरीं तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व बुधवार को विभिन्न योगों में मनाया जाएगा। शहर के मंदिरों में अक्षय तृतीया पर विभिन्न अनुष्ठानों होंगे, ब्राह्मण समाज भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकालेगा वहीं सामुहिक विवाह की धूमधाम शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में रहेंगी। अक्षय यानी कभी नष्ट न होने वाली खरीदारी के लिए शहर का सराफा और बर्तन बाजार अलसुबह से देर रात तक खुला रहेगा वहीं शहर के इलेक्ट्रॉनिक बाजारों के साथ आटो मोबाइल संस्थान पर भी शुभ मुहूर्त में खरीद की जाएगी। मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर जो चीज पाई या खरीदीं जाती है वो हमेशा पास रहेगी। अस दिन सोना खरीदना शुभ माना जाता है।

इसलिए जीवन के सबसे बड़े मौकों और फैसलों के लिए ये दिन शुभ है। शादी के लिए भी इसे श्रेष्ठ मुहूर्त माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदा सोना घर में स्थायी समृद्धि लाता है। यह समय के साथ बढ़ता ही जाता है।

जलभराव का कराया जा रहा है सर्वे

प्रदेश के एक सैकड़ा जलाशयों पर सौर ऊर्जा उत्पादन की तैयारी

भोपाल,ईएमएस। सरकार की मंशा प्रदेश के प्रमुख जलाशयों का उपयोग अब सौर ऊर्जा उत्पादन करने की है। यही वजह है कि इस पर काम शुरु कर दिया गया है। किस जलाशय के उपयोग से कितनी बिजली उत्पादन हो सकता है इसका आंकलन करने की तैयारी कर ली गई है। इसके लिए जलाशयों का एक सर्वे कराया जा रहा है जिससे यह पता लगाया जा सके कि अगले दो दशक तक जलाशय की क्या स्थिति रहने वाली है।

इसमें साल भर का भी आंकलन किया जाएगा कि बारिश और गर्मी के मौसम में किस जलाशय की क्या स्थिति रहती है इसका भी आंकलन कराया जा रहा है। दरअसल केन्द्र के साथ ही प्रदेश सरकार का भी फोकस सौर ऊर्जा पर बना हुआ है। यह बिजली न केवल सस्ती पड़ती है, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण से भी राहत देती है। फिलहाल इसके लिए केन्द्र सरकार ने प्रदेश के 106 बांधों, जलाशयों को चिह्नित कर उनकी रिपोर्ट मांगी है कि इन जल भंडारण स्थलों में सामान्य दिनों में और बारिश में जलभराव के दौरान कितना जल भंडारित रहता है। सोलर पावर की संभावनाओं पर फिट बैठने के बाद इनमें सोलर एनर्जी के लिए काम किया जाएगा।

जल संसाधन विभाग को इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त सर्वे एजेंसी को आवश्यक जानकारी देने और सर्वे में सहयोग करने के लिए कहा गया है। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा देश के सभी राज्यों में सोलर पावर के डेवलपमेंट से संबंधित मुद्दों और संभावनाओं के लिए एक कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी को जलाशयों, जल निकायों पर फ्लोटिंग सोलर की संभावनाओं के सर्वे और जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मध्यप्रदेश के लिए यह जिम्मेदारी एनएचपीसी को सौंपी गई है। इसके लिए राज्य सरकार के जल संसाधन विभाग से प्रदेश के 106 जलाशयों, वाटर बॉडीज की जानकारी देने के लिए कहा गया है।

यह मांगी जानकारी

केंद्र सरकार के निर्देश पर तैयार की जा रही रिपोर्ट में जल संसाधन विभाग से कहा गया है कि इन 106 डैम, रिजरवायर, जलाशयों में अधिकतम जल भंडारण क्षमता, रिजरवायर एरिया, फुल रिजरवायर लेवल, मिनिमम ड्रा डाउन लेवल, बीस साल के हिसाब से रोज का वाटर लेवल, फ्लड इवेंट्स की जानकारी देना है। साथ ही करेंट स्टोरेज कैपेसिटी, प्लांड एरिया, डेली, मंथली और एनुअल इन फ्लो की रिपोर्ट भी मांगी गई है।

इन बांधों की मांगी रिपोर्ट

केन्द्र सरकार ने प्रदेश के जिल जलाशयों की रिपोर्ट मांगी है उनमें अंबक नाला-खरगोन, अमिया-बहादुरपुर, उज्जैन, अवदा-मुरैना, बंदिया नाला-गुना, बाणसागर डैम-शहडोल, बानसुजारा मेजर प्रोजेक्ट-टीकमगढ़, बरगी जबलपुर बारना डैम- रायसेन, बावनथड़ी राजीव सागर-बालाघाट, भैंसाठोरी-गुना, भैंसवार-सतना, भैकरखेड़ी-खरगोन, बीजना-सिवनी, बिलगांव मीडियम प्रोजेक्ट-डिंडोरी, बिरसिंहपुर-उमरिया, चंबलेश्वर-नीमच, बुधना नाला-शिवपुरी, बुंदला-बैतूल, चंद्रकेसर-देवास, चंदोरा-बैतूल, दाहोद-रायसेन, चोरल-इंदौर।

होम्योपैथी वेलनेस सेंटर में महिलाओं को मिलेगा मोटापे से निजात

रोज 12 महिलाओं का होगा उपचार, फोन से बुक कर सकते हैं अपॉइंटमेंट

भोपाल,ईएमएस। प्रदेश के पहले शासकीय होम्योपैथी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में महिलाओं को मोटापे से निजात दिलाने के लिए विशेष उपचार सुविधा शुरू की गई है। कलियासोत डेम के नजदीक आयुष परिसर में स्थित इस सेंटर में रोजाना 12 महिलाओं को यह सुविधा दी जाएगी। इच्छुक महिलाएं फोन से अपॉइंटमेंट बुक कर सकती हैं। होम्योपैथी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता के अनुसार, वर्तमान में महिलाओं में हार्मोन्स के बदलाव के कारण जीवन के विभिन्न पड़ावों में मोटापे की समस्या देखी जा रही है। जो कई बार व्यापक और उग्र रूप धारण कर लेती है। उनमें जोड़ों के दर्द, कार्य करने की अनिच्छा, घबराहट जैसी समस्याएं पैदा कर रही हैं। समय पर इसका इलाज ना कराने से यह शरीर में गंभीर असंतुलन पैदा कर सकता है।

अगले साल तक बनेगा महिलाओं को समर्पित केंद्र

शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. एसके मिश्रा ने बताया कि इस सेवा के माध्यम से विशेष रूप से महिलाओं को लाभान्वित किया जाएगा। अगले साल के लिए केंद्र के विस्तार की जो योजना बनाई गई है। जिसमें महिला स्वास्थ्य को समर्पित एक संपूर्ण इकाई की स्थापना करना शामिल है। जहां महिलाओं से जुड़ी सभी तरह की बीमारियों का इलाज मुहैया कराना लक्ष्य रहेगा। होम्योपैथी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को केंद्रीय आयुष मंत्रालय से सहयोग प्राप्त है। इसे योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित किया गया है।

डिप्टी कलेक्टर ने सुनीं आम जनों की समस्यायें

उमरिया, ईएमएस। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर मीनाक्षी इंगले, सीईओ जनपद पंचायत करकेली हरनीत कौर कलसी ने जिले के दूर दराज से आए लोगों की समस्याओं को सुना तथा उसका निराकरण भी कराया।

विचार मंथन

विधायक ने विकास कार्यों का किया का भूमिपूजन

शहडोल, ईएमएस। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने नगर पालिका शहडोल में विकास हेतु दो कार्यों का भूमि पूजन किया। जिसमें वार्ड क्रमांक 37, पुरानी बस्ती हनुमान मंदिर प्रांगण में ?32 लाख की अनुमानित लागत से सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का, वार्ड क्रमांक 8 मुख्य मंत्री अधोसंरचना अंतर्गत 50 लाख की लागत से तालाब सौंदर्यीकरण योजना का विधिवत भूमिपूजन शामिल है।

संपादकीय

फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी खजाने को अरबों का नुकसान

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने मध्य प्रदेश के शराब कारोबारियों से जुड़े हुए फर्जीवाडे को लेकर 11 शराब कारोबारी के 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। इस छापामारी में 49 करोड़ 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी और सरकारी खजाने मे और वह रुपए की डकैती डालने का मामला सामने आया है। ईडी ने मनी लॉड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई की है। जांच एजेंसी को छापे के दौरान कई ऐसे दस्तावेज और जानकारियां प्राप्त हुई हैं, जिससे करोड़ों-अरबों रुपए का किया गया घोटाला मध्य प्रदेश में उजागर हुआ है। मध्य प्रदेश में 2015-16 मे पहली बार यह मामला उजागर हुआ था। उस समय इस मामले को दबा दिया गया था। हाल ही में ईडी की टीम ने जब छापा मारकर जांच शुरू की। उसके बाद एक के बाद एक नए फर्जीवाड़े की परतें खुलकर सामने आनी शुरु हो गईं हैं। 2015-16 से 2017-18 के बीच चालानो में फर्जीवाडा किया गया। जिससे सरकार को अरबो रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। बैंक गारंटी के रूप में फर्जी गारंटी प्रस्तुत की गई। शराब कारोबारियों द्वारा दस्तावेजों में हेराफेरी करके करोड़ों रुपए का नुकसान सरकारी खजाने को पहुंचाया गया। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से शराब कारोबारी फर्जीवाड़ा कर रहे थे। इस लूट में सभी शामिल थे। जब मामला सामने आया, तब तत्कालीन आबकारी मंत्री की भूमिका संदेहासप्रद रही। आबकारी विभाग के जिस अधिकारी संजीव दुबे की सरपरस्ती में आबकारी विभाग में करोड़ों रुपए के घोटाले हुए थे, 2017 में उसकी एफआईआर दर्ज हुई। क्योंकि इस लूट में आबकारी विभाग के महत्वपूर्ण पदों में बैठे लोग शामिल थे अत- मामले को दबा दिया गया। जब यह मामला उजागर हुआ, तब शराब ठेकेदारों ने 22 करोड़ रुपए सरकार के खाते में जमाकर मामले को दबबा दिया था। इस मामले को दबाने मे आबकारी विभाग के अधिकारी और तत्कालीन मंत्री की भूमिका थी। उस समय सभी जिम्मेदार पदों पर बैठे हुए पदाधिकारियों ने इस लूट में अपना-अपना हिस्सा वसूल किया था। 2017 से यह मामला ईडी के पास लंबित पड़ा हुआ था। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा बार-बार जानकारी मांगी गई। उसके बाद भी आबकारी विभाग द्वारा ईडी को समय पर जानकारी नहीं दी जा रही थी। ईडी ने शराब कारोबार से जुडे ठेकेदारों और अधिकारियों की जांच अपने स्तर पर कर 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। अभी तक लगभग 50 करोड़ रुपए के सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले दस्तावेजों को ईडी ने जप्त किया है। इस मामले की जिस तरह से ईडी जांच कर रही है, उससे अरबो रुपए की धोखाधड़ी के नए मामले उजागर होने की संभावना ईडी के अधिकारियों ने व्यक्त की है। शराब कारोबारियों और आबकारी विभाग के अधिकारियों तथा राजनेताओं की मिली भगत से बड़े पैमाने पर अरबों रुपए के घोटाले हर राज्य में हो रहे हैं। दिल्ली का मामला पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में है। मध्य प्रदेश मे भी हर साल सैकड़ों करोड़ रुपए का घोटाला शराब कारोबारियों और आबकारी विभाग की मिलीभगत से होता है। शराब कारोबार मे सरकारी खजाने को सुनियोजित रूप से नुकसान पहुंचाया जाता है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के निशाने पर शराब कारोबार से जुड़े किस तरह के अपराध होते हैं, यह मामला सामने आ चुका है। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय द्वारा आबकारी विभाग में चल रहे घोटाले की ट्रैकिंग पिछले कई महीनो से की जा रही थी। सही तरीके से कार्रवाई हुई, तो इसमें बड़े-बड़े खुलासे होंगे। यह मामला मध्य प्रदेश का है। देशभर में इसी तरीके से फर्जी दस्तावेजों के जरिए बड़े पैमाने पर सरकारी खजाने में घोटाले किए जा रहे हैं। ट्रेजरी में चालान से और ऑनलाइन ट्रांसफर की गई राशि का मिलान कई-कई वर्षों तक नहीं हो पाता है। अधिकारियों की कोई रुचि नहीं रहती है। जिस तरीके से ट्रेजरी में लेन-देन बढ़ रहा है। वित्त मंत्रालय और वित्त विभाग के पास जो दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते हैं। सरकार के खातों में जो रकम जमा होती है। उसका मिलान करने का सिस्टम नहीं होने से हर राज्य में अरबो रुपए की धोखाधड़ी बदस्तूर जारी है। विभागों और वित्त मंत्रालय की ट्रेजरी के बीच में ऐसा कोई तरीका नहीं अपनाया जाता है, जिससे यह पता लगे, कहां पर किस लेवल पर गड़बड़ी हो रही है। ईडी ने इस मामले में छापे डाले हैं। निश्चित रूप से नए-नए खुलासे होंगे। धोखाधड़ी और दस्तावेजों में हेरा-फेरी करके राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को अरबों रुपए का नुकसान हर महीने पहुंचाया जा रहा है। उसमें रोक लगेगी, यही आशा की जा सकती है।

– सनत जैन

पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम

परशुराम जयंती पर विशेष

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल धर्म को सरल और बेहद कम शब्दों में इस तरह भी समझा कि समाज द्वारा स्वीकृत वो मान्यताएं हैं जिस पर चल कर मनुष्य कितना भी शक्तिशाली हो जाए किसी दूसरे का अहित नहीं कर सकता है तथा संतुलित व मर्यादित रहता है। वह धर्मनीति ही है जो मानवता का बोध कराने, अत्याचार, अनाचार, साधु-संतो के उत्थान के लिए भगवान का अनेकों रूप बनवाती है ताकि दुष्टों का संहार, विश्व कल्याण के साथ धर्म जो मनुष्य को उसकी सीमाओं में रखता है की रक्षा की जा सके। भगवान परशुराम ऐसे ही धर्मपरायण थे जो क्रोध के वशीभूत होकर अनाचारियों के लिए किसी काल से कम न थे। परशुराम ही इतिहास के पहले ऐसा महापुरुष हैं जिन्होंने किसी राजा को दंड देने के लिए दूसरे राजाओं को भी सबक सिखा नई राजव्यवस्था बनाई जिससे हा-हाकार मच गया। परशुराम की विजय के बाद संचालन सही ढ़ंग से न होने से अपराध और हाहाकार की स्थिति बनी। उससे घबराए ऋषियों ने तपोभूमि से साधना लीन दत्तात्रेयजी को उठा पूरा वृत्तान्त बताया। उनके साथ जाकर कपिल और कश्यप मुनि ने परशुराम को समझाया। पहले तो समझ नहीं आया लेकिन कई वर्षों के क्रोध के बाद जब परशुराम कुछ शांत हुए तो उन्हें समझ आया और अपने कृत्यों पर पश्चाताप करने लगे। परशुराम को, मुनि दत्तात्रेय, कपिल और कश्यप ने इसके लिए बहुत धिक्कारा। ग्लानि में डूबे परशुराम ने संगम तट पर सारे जीते हुए राज्य कश्यप मुनि को दान दे दिया और स्वयं महेन्द्र पर्वत चले गए उसके बाद राजकाज की दोबारा सुचारू शासन व्यवस्था संचालित हो पाई।

भगवान परशुराम को पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। उन्हें राम का पर्याय और सत्य सनातन माना जाता है जिनका जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग में हुआ। ग्रहों के प्रभाव से वो तेजस्वी, ओजस्वी और वर्चस्वी बने। महाप्रतापी व माता-पिता भक्त परशुराम ने जहां पिता की आज्ञा से माता का गला काट दिया वहीं पिता से माता को जीवित करने का वरदान भी मांग लिया। इस तरह हठी, क्रोधी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने वाले परशुराम का लक्ष्य मानव मात्र का हित था। वो परशुरामजी ही थे जिनके इशारों पर नदियों की दिशा बदल जाया करतीं थीं। उन्होंने अपने बल से आर्यों के शत्रुओं का नाश किया, हिमालय के उत्तरी भू-भाग, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, कश्यप भूमि और अरब में जाकर शत्रुओं का संहार किया। उसी फारस जिसे पार्शिया भी कहा जाता था का नाम इनके फरसे पर ही किया गया। इन्होंने भारतीय संस्कृति को आर्यन यानी ईरान के कश्यप भूमि क्षेत्र और आर्यक यानी इराक में नई पहचान दिलाई। गौरतलब है कि पार्शियन भाषी पार्शिया परशुराम के अनुयायी और अग्निपूजक कहलाते हैं और परशुराम से इनका संबंध जोड़ा जाता है। अब तक भगवान परशुराम पर जितने भी साहित्य प्रकाशित हुए हैं उनसे पता चलता है कि मुंबई से कन्याकुमारी तक के क्षेत्रों को 8 कोणों में बांटकर परशुराम ने प्रान्त बना कर इसकी रक्षा की प्रतिज्ञा भी की।

अयोध्या, मिथिला, काशी, कान्यकुब्ज, कनेर, बिंग के साथ ही कहते हैं कि पूर्व के प्रान्तों में मगध और वैशाली भी महासंघ में शामिल थे जिसका नेतृत्व भगवान परशुराम ने ही किया। दूसरी ओर हैह्यों के साथ आज के सिन्ध, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, लाहौर, अफगानिस्तान, कंधार, ईरान, ट्रांस-ऑक्सियाना तक फैले 21 राज्यों के राजाओं से युध्द तक किया। सभी 21 अत्याचारी राजाओं और उनके उत्तराधिकारियों तक का परशुराम ने विनाश भी किया जिससे दोबारा कोई सिर न उठा सके। केरल प्रदेश को बसाने वाले परशुराम ही थे। एक शोध के अनुसार परशुराम में ब्रम्हा की सृजन शक्ति, विष्णु की पालन शक्ति व शिव की संहार शक्ति विद्यमान थी जिससे त्रिवंत कहलाए। उनकी तपस्या स्थली आज भी तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिध्द है जो अब केरल की राजधानी है।

बिना मुहूर्त शुभ कार्य करने का दिन है अक्षय तृतीया

अक्षय तृतीया पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

प्रत्येक वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' पर्व मनाया जाता है, जो इस वर्ष 30 अप्रैल को मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीया की शुरुआत 29 अप्रैल की शाम पांच बजकर 31 मिनट पर हो रही है, जो 30 अप्रैल की दोपहर दो बजकर 12 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए अक्षय तृतीया की पूजा और खरीदारी करना 30 अप्रैल को ही सबसे शुभ है। अक्षय तृतीया की पूजा के लिए 30 अप्रैल को प्रातः पांच बजकर 41 मिनट से दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक का समय बहुत शुभ है। मांगलिक कार्यों के लिए अक्षय तृतीया पर्व को हिन्दू धर्म में बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य आयोजित किया जा सकता है। यह पर्व आस्था, परंपरा और अध्यात्म का संगम है। सनातन धर्मानुसार, वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' या 'आखा तीज' कहते हैं।

पौराणिक शास्त्रानुसार, अक्षय तृतीया विवाह और अन्य शुभ कार्यों के लिए स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है। इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान, उपवास और व्रत का अक्षय फल अर्थात संपूर्ण फल मिलता है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और इस दिन बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न किया जा सकता है, इसीलिए लोग बिना पंचांग देखे अक्षय तृतीया के दिन विवाह, गृह प्रवेश, नया व्यापार, धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, घर, भूखंड या नए वाहन आदि की खरीदारी करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, इसी तृतीया तिथि को माता पार्वती ने अमोघ फल देने की सामर्थ्य का आशीर्वाद दिया था, जिसके प्रभाव से अक्षय तृतीया के दिन किया गया कोई भी कार्य निष्फल नहीं होता। पुराणों के अनुसार, इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान, दान, जप व स्वाध्याय करना शुभ फलदायी होता है। भविष्यपुराण के अनुसार, अक्षय तृतीया को युगादि तिथि माना गया है, यानी इसी तिथि से सतयुग व त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था। भगवान विष्णु के तीन अवतारों, नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस वर्ष अक्षय तृतीया पर बहुत से शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी पूजा करने से धन वृद्धि होती है। अक्षय तृतीया के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो बहुत खास है। इसके अतिरिक्त, जो अन्य शुभ योग बनने वाले हैं, उनमें शोभन योग दोपहर 12 बजकर दो मिनट तक रहेगा। रवि योग शाम को चार बजकर 18 मिनट से शुरू होकर पूरी रात रहने वाला है। इस दिन सोना खरीदना बहुत शुभ माना गया है। अक्षय तृतीया तिथि संपूर्ण पापों का नाश करने वाली और समस्त सुख प्रदान करने वाली मानी गई है। विभिन्न शास्त्रों के अनुसार, इस दिन हवन, जप, दान, स्वाध्याय, तर्पण इत्यादि जो भी कर्म किए जाते हैं, वे सब अक्षय हो जाते हैं। मान्यता है कि द्वापर युग इसी तिथि को समाप्त हुआ था, जबकि त्रेता, सतयुग और कलियुग का आरंभ इसी तिथि को हुआ था, इसीलिए इसे 'कृतयुगादि तृतीया' भी कहा जाता है। भारत में कई स्थानों पर अक्षय तृतीया को 'आखा तीज' के नाम से भी जाना जाता है। भविष्य पुराण के अनुसार, इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। इस तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती मानी गई हैं और इस दिन मां लक्ष्मी की भी विधिवत पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पृथ्वी पर देवताओं ने 24 रूपों में अवतार लिया था, जिनमें छठा अवतार भगवान परशुराम का था, जिनका जन्म अक्षय तृतीया के ही दिन हुआ था। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय कुमार का प्राकट्य भी इसी दिन हुआ माना जाता है। भगवान विष्णु के चरणों से गंगा भी इसी दिन धरती पर अवतरित हुई थी। इस पर्व को लेकर लोक धारणा है कि इस तिथि को यदि चंद्रमा के अस्त होते समय रोहिणी आगे होगी तो फसल अच्छी होगी।

सुविचार

सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें।

– वाल्टेयर

बुद्धिमता की पुस्तक में ईमानदारी सबसे पहला अध्याय है।

– अज्ञात

प्रसंग

धर्म-संरक्षक देव-परशुराम जी

विष्णुदेव के दिव्यतम,थे छठवें अवतार।
परशुराम जी को नमन्,रचा धर्म का सार।।

मातु रेणुका लाल थे,जमदग्नि मुनि के ताप।
संहारा नित पाप को,हरा सकल अभिशाप।।

भग्न हुआ शिव का धनुष, परशुराम जी क्लांत।
पर प्रभु रघुवर का विनय,देव हुए तब शांत।।

मार अधर्मी यह धरा,कर दी थी निष्पाप।
परशुराम के तेज को,कौन सकेगा माप।।

अंधकार में कर दिया,जिसने तो उजियार।
परशुराम जी की सदा,बोलो सब जयकार।।

अमर चिरंजीवी बने,शौर्य,दिव्यता मान।
संतों के रक्षक सदा,हर द्विज के अरमान।।

परशुराम जी की कथा,लगती मंगल गान।
सदा सनातन के लिए,भाव भरे अरमान।।

परशुराम जी ने किया,नित अधर्म-संहार।
किया सदा संस्कार को,मुनिवर ने अति प्यार।।

शिव के धनु से था बहुत,जिसको तो अनुराग।
शिव श्रद्धामय नित रहे,भाव रहे नित जाग।।

आज जयंती हर्षमय,मंगलमय है काल।
दिवस बहुत शुभ लग रहा,सबको करे निहाल।।

–प्रो(डॉ)शरदनारायण खरे

जरा हटके

नियमित रूप से किताब पढ़ने से याददाश्त होती है तेज

नई दिल्ली (ईएमएस)।

नियमित रूप से किताब पढ़ने की आदत न सिर्फ याददाश्त को तेज बनाती है, बल्कि मानसिक विकारों के खतरे को भी कम करती है। किताब पढ़ना दरअसल दिमाग के लिए एक एक्सरसाइज जैसा होता है। जब आप पढ़ते हैं, तो आपका दिमाग विचारों, तथ्यों और कल्पनाओं को प्रोसेस करता है। इससे ब्रेन की एक्टिविटी बढ़ती है और उसकी कार्यक्षमता बेहतर होती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रोजाना सिर्फ 1 से 2 घंटे पढ़ने से मेंटल फ्लेक्सिबिलिटी में सुधार होता है और अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा घट जाता है। इसके अलावा, जब कोई उपन्यास या कहानी पढ़ते हैं, तो हम किरदारों की भावनाओं और सोच को समझने लगते हैं। इससे हमारी सहानुभूति की भावना विकसित होती है और दूसरों के प्रति व्यवहार में संवेदनशीलता आती है।

पढ़ने की आदत सामाजिक रिश्तों में भी सुधार लाती है और हमें एक बेहतर श्रोता और वक्ता बनाती है। शब्दावली में विस्तार होता है, और लिखने की कला में भी निखार आता है। एक और चौंकाने वाली बात यह है कि किताब पढ़ना तनाव को कम करता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार लाता है। मोबाइल या टीवी की स्क्रीन की बजाय अगर आप सोने से पहले किताब पढ़ें, तो यह शरीर और दिमाग को शांति देता है। इससे अच्छी और गहरी नींद आती है। किताबें पढ़ना न सिर्फ मन को शांत करती हैं, बल्कि जीवन को एक सकारात्मक दिशा भी देती हैं। कुल मिलाकर, किताबें सिर्फ ज्ञान नहीं देतीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक विकास में भी अहम भूमिका निभाती हैं। इसलिए अगर आप अब तक किताबों से दूरी बनाए हुए हैं, तो अब वक्त है कि आप उन्हें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। हमेशा से कहा जाता है कि किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं और यह बात बिल्कुल सच भी है। किताबें केवल ज्ञान का भंडार नहीं होतीं, बल्कि ये हमारी मानसिक सेहत के लिए भी फायदेमंद साबित होती हैं। आज जब सबकुछ डिजिटल होता जा रहा है और लोग इंटरनेट पर निर्भर हो गए हैं, तब किताबों से दूरी बनती जा रही है।

फोटो ऑफ द डे

ब्राजील के रियो डी जेनेरो में विदेश मामलों के मंत्रियों की ब्रिक्स बैठक के दिन हाथ मिलाते हुए, ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा और आर्थिक कूटनीति पर ईशानी उप विदेश मंत्री, सईद रसूल मोहजर। (फोटो-ईएमएस)

राज काज

राहुल गांधी का कश्मीर दौरा, मोदी के लिए मुसीबत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को घाटी गए। वहां पर उन्होंने आतंकवादी हमले में घायल हुए लोगों से अस्पताल में जाकर मुलाकात की। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उनके परिवार जनों से भी मुलाकात कर हर संभव सहायता करने की पेशकश की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाटी नहीं गए, उल्टे वह सर्वदलीय बैठक छोड़कर बिहार में उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए पहुंच गए। मंच पर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के बीच हंसी ठहाके का वीडियो वायरल हुआ। उसके बाद यह कहा जाने लगा आतंकवाद की इस घटना का राहुल गांधी ने मंच लूट लिया। रही सही कसर उनकी मसाल यात्रा ने पूरी कर दी।

चीन के राष्ट्रपति ने ट्रंप की हवा निकाली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोचा भी नहीं होगा। चीन उन्हें इस तरह से मात देगा। अमेरिका ने एक तरफा चीन के ऊपर टैरिफ लगाए। चीन ने जवाबी टैरिफ लगाए। डोनाल्ड ट्रंप की इस कार्रवाई से अमेरिका की कंपनियों को नुकसान होना शुरू हुआ। उन्होंने ट्रंप पर दबाव बनाया। जिसके कारण दो बार ट्रंप को अपनी घोषणाओं से कुछ दिनों के अंदर संशोधित करना पड़ा। ऐसी बेज्जती इसके पहले कभी अमेरिका की नहीं हुई। जो ट्रंप के शासनकाल में अमेरिका की हो रही है। चीन ने कुछ भी नहीं किया, सब अपने आप हो गया।

ममता और रॉबर्ट वाड्रा ने पहलगाम की घटना का सत्य बताया

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 28 पर्यटक मारे गए हैं। आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर गोली मारी है। इस पर प्रति या देते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने, हमले के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। उत्तर भारत में जिस तरह से हिंदू-मुसलमान की राजनीति की जा रही है। उसकी परणति पहलगाम की घटना को बताया। इसी तरह से रॉबर्ट वाड्रा ने कहा जिस तरह से भाजपा और सत्तारुड़ गठबंधन हिंदू- मुस्लिम की राजनीति कर रही है। उसकी प्रति या पहलगाम में देखने को मिली है। यह एक सच है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। भाजपा ने इसे मुद्दा बना लिया है। भाजपा ऐसे किसी मौके को छोड़ती नहीं है। अभी देश में जो राजनीति हो रही है। वह झूठ पर आधारित है, जो कलयुग का सच है। ममता और वाड्रा यदि सतयुग के सच की राजनीति करेंगे। तो उन्हें नुकसान तो उठाना ही पड़ेगा।

व्यंग्य

खेल घोटालों का

धीरेन्द्र शुक्ला

पिछले दिनों दो बड़े प्रेरक और गदगद कर देने वाले बयान आए। आप देश के बड़े बड़े नामी लोगों को तो जानते ही हैं। अरे वही जिनके लिये कहा गया है कि बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा तो, उन्हीं ने बयान दिया, कहा कि हाल ही में जो रियल एस्टेट में घोटाला हुआ वह बड़ी छोटी चीज है, कोई बड़ा घोटाला नहीं है। मुझे सुनकर पहले बड़ी शर्म आई अपने अल्पज्ञान पर। धिक्कार है, मैने सोचा। कितना पिछड़ापन है, कहाँ खड़ा हूँ मैं? मैं तो सोच रहा था कि यह बहुत भारी घोटाला है। करीब एक लाख करोड़ यदि ईमानदारी से नहीं बेईमानी से भी गरीबों पर खर्च किए जाएँ तो उनकी हालत बदल सकती है। लेकिन घोटालों ने मेरा दिमाग हिला दिया है।

अब लग रहा है कि क्या औकात है एक लाख करोड़ की, कुछ भी तो नहीं। मुझे लगा कि बदनाम हो कर नामी हुए ये सज्जन देश के कथित महाघोटालेबाजों को ललकार रहे हैं कि चुल्लू भर पानी में डूब मरो! अरे अपनी हैसियत पहचानो। कई छोटे -मोटे घोटालेबाज, घूसखोर जो अपने आप को बड़ा तीस मार खाँ समझते थे, अहलूवालिया के बयान के बाद मुंह छुपाए घूम रहे हैं और कई लोग जो कई दिनों से अपनी पिछड़ी सोच के कारण छोटा-मोटा भ्रष्टाचार करने की जुगत बनाकर भी कर नहीं पा रहे थे, उन्हें प्रेरणा मिली है कि यदि कुछ करना है तो बड़ा करो। यहाँ मुझे एक पुस्तक का नाम याद आ रहा है-बड़ी सोच का बड़ा जादू। जब बड़ा सोचेंगे तभी बड़ा करेंगे। आदर्श सोसायटी वालों ने अब एक नया मुहावरा दिया है कि जो कोई न सोच सके वह करो। इसी तर्ज पर एक ऐसी पुस्तक की जरूरत तत्काल है जिसका शीर्षक कुछ इस तरह हो- बड़े घपले का बड़ा जादू। इसके लेखक यदि कोई बड़ा घोटालेबाज तो यह बेस्ट सेलर बुक हो सकती है। वे न भी हों तो किसी मैनेजमेंट गुरु को इस तरफ ध्यान देना चाहिए, ऐसा मेरा प्रस्ताव है।

मोंटेक सिंह का बयान ऐसा ही है जो बंजर जमीनों में यानि जिनमें घोटाले करने की क्षमता नहीं है,उन्हें भी उकसा सकता है, उकसा रहा है। सही मायने में मोंटेक सिंह ने देश के घपलेबाजों और घपलेबाज बनने की महत्वाकांक्षा पाले बैठे लोगों को एक चुनौती दी है। गुजरे जमाने में डाकू गाँव वालों को चुनौती देते थे कि हम तुम्हें लूटने आएँगे, बचा सको तो बचा लो खुद को। अब डाकू चले गए, उनकी दबंगई चली गई, अब उनकी जगह नेता आ गए, और उनकी अपनी दबंगई भी। सही मायनों में हुजूरे आला के बयान में भी ऐसी ही दबंगई है कि यदि हिम्मत है तो बड़े घोटाले कर के दिखाओ। आज नेताओं की इसी तरह की दबंगई से कोई नहीं जीत सकता । जनता कहेगी कि इतनी बड़ी दुर्घटना हो गई, इतने सारे लोग मर गए और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है, नैतिकता के आधार पर आपको इस्तीफा दे देना चाहिए, वे तत्काल कहेंगे कि यह गलत है कि यह बहुत बड़ी दुर्घटना है। इससे पहले भी बड़ी-बड़ी दुर्घटनाएँ हुई हैं, उनमें इस दुर्घटना से ज्यादा लोग मारे गए थे। उस समय जो मंत्री थे उनने भी इस्तीफा नहीं दिया था, उनने राजनीति की नैतिकता का पालन किया था, हम भी उन्हीं की नैतिकता का पालन कर रहे हैं। हम भी इस्तीफा नहीं देंगे।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई।

अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं।

रोचक

24 मोज़े खा गया पपी, करना पड़ा ऑपरेशन

वाशिंगटन (ईएमएस)। क्या आपने सुना है कि किसी जानवर ने कुछ जुराबें या मोजे खा लिए हों और उसने बचाने के लिए उसका ऑपरेशन करना पड़ा हो। ऐसा ही कुछ एक प्यारे से पपी के साथ हुआ, जिसने एक नहीं बल्कि 24 मोज़े खा लिए थे। यह मामला अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। सोशल मीडिया पर यहां के कोरोना एनिमल इमेरजेंसी सेंटर ने अपनी पोस्ट में इसकी जानकारी दी। इसमें बताया गया कि लूना नाम की 7 महीने के बर्नीज़ माउंटेन कुतिया ने अपने मालिक के एक नहीं बल्कि 24 मोज़े के साथ कुछ और भी चीजें निगल ली थी। इससे उसकी तबियत इतनी ज्यादा खराब हो गई और उसकी जिंदगी बचाने के लिए सर्जरी करनी पड़ी। वेट डॉक्टरों ने तुरंत ही उसका ऑपरेशन किया और उसके पेट से हर वो चीज़ निकाली जो उसने निगली थी। उन्होंने बताया कि इन चीज़ों से लूना के पेट की आंतों चोक हो गई थी और उसकी जान पर बन आई थी।मालिक के परिवार को तब पता चला कि उनका इस बात पर ध्यान गया कि लूना उल्टी कर रही थी और उसके पेट बहुत ही कड़ा हो गया था। इंस्टाग्राम पर लूना के एक्स रे और ऑपरेशन से निकली चीजों की तस्वीर शेयर की गई तो लोग पूरी तरह से हैरान रह गए। ऑपरेशन के बाद पता चला कि लूना ने 24 मोज़ों के अलावा एक हेयर बैंड, 2 हेयर टाइज, एक शू इंसर्ट, बच्चे की लंगोट के अलावा और भी कुछ छोटे छोटे कपड़े भी थे।

तेजस्वी कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय मेले का आयोजन किया गया

उज्जैन, ईएमएस। मध्यप्रदेश शासन के स्कुल शिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा एवं उद्यम लर्निंग फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. माधवनगर में तेजस्वी कार्य म के अंतर्गत तेजस्वी जिला स्तरीय मेले का आयोजन किया गया। इसमें उज्जैन जिले के 65 विद्यालयों की छात्र-छात्राओं की 56 टीमों के द्वारा उद्यमिता से संबंधित नवाचार प्रोजेक्ट और मॉडल की प्रदर्शनी लगाई गई।

कलेक्टर ने किया ईव्हीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

अशोकनगर, ईएमएस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आदित्य सिंह द्वारा मंगलवार को तहसील अशोकनगर परिसर स्थित ईव्हीएम वेयरहाउस का बाहरी मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होनें सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीव्ही कैमरे एवं साफ-सफाई का अवलोकन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मुकेश कुमार शर्मा, जिला कोषालय अधिकारी रविन्द्र सूर्यवंशी, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी के. कुमार, निर्वाचन सुपरवाईजर रज्जाक खांन उपस्थित रहे।

फटाफट खबरें

शिविर लगाकर दी कलौंजी की खेती की जानकारी

अशोकनगर, ईएमएस। राज्य औषधि पादप बोर्ड मध्य प्रदेश शासन देवारण्य योजना अन्तर्गत एक जिला एक औषधीय उत्पाद योजना अन्तर्गत आयुष विभाग अशोकनगर द्वारा औषधीय पौधों की खेती कलौंजी जो कि एक औषधि व मसाला पौध है। खेती का एक दिवसीय स्वसहायता समूहों का प्रशिक्षण मुंगावली के नीलीघुरक जिला अशोकनगर में मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में स्वसहायता समूहों को कलौंजी के बारे में कृषि, संग्रहण, भंडारण विपणन, विक्रय आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर भारती परिहार द्वारा औषधीय फसलों की तैयारी के बारे में एवं उत्पादन के बारे में समस्त जानकारी प्रदान की गई। औषधीयों की उपर्युक्त ता के संम्बंध में जानकारी दी गई, औषधीय फसलों के लाभ के बारे में बताया गया। मौसम के अनुसार औषधीय फसलों के उत्पादन के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में 30 से अधिक स्वसहायता समूहों की सदस्य सम्मिलित हुई।

बैंकिंग सहायक मोनिका माहेश्वरी को किया बर्खास्त

खरगोन, ईएमएस। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की मण्डी शाखा खरगोन में पदस्थ बैंकिंग सहायक मोनिका माहेश्वरी को लम्बी अवधि से अपने पदस्थगी स्थान से बिना सक्षम स्वीकृति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। बैंक प्रबंध संचालक पीएस धनवाल द्वारा बताया गया कि मोनिका माहेश्वरी अपने कर्तव्य स्थल से मई 2022 से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थी। इस संबंध में अनेको बार सूचना पत्र देते हुए कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होने हेतु सूचना दी गई। समाचार पत्रों के माध्यम से भी उन्हें अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होने हेतु आगाह किया गया। किन्तु वह निरन्तर रूप से अनुपस्थित रही, इस कारण बैंक कर्मचारी सेवा नियमानुसार प्रकरण बैंक स्टॉफ उप समिति में रखा जाकर मोनिका माहेश्वरी को सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया है। बैंक कर्मचारियों को आगाह किया है कि कोई भी कर्मचारी बिना सक्षम स्वीकृति के अवकाश पर प्रस्थान नही करें, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

खरगोन, ईएमएस। जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी श्री बी रायक अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर 29 अप्रैल 2025 को सेवानिवृत्ति हो गए हैं। उनकी सेवानिवृत्ति पर उन्हें भावभिनी बिदाई दी गई। बिदाई कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसके कानुडे, जिला परियोजना समन्वयक श्री खेमराज सेन, एपीसी श्री देवदास पाटीदार, जेई श्री मुबारीक खान, एपीसी श्री पुरुषोतम पाटीदार सहित समस्त सर्व शिक्षा अभियान स्टाफ एवं डाईट स्टाफ, तथा विकासखंड सह-समन्वयक (साक्षरता)एवं श्री रणजीत आर्य विकासखंड स्रोत समन्वयक, विकास खंड खरगोन, स्टाफ उपस्थित हुए।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 188 आवेदकों की समस्याएं

सहजता एवं सुगमता के साथ करें आमजन की समस्याओं का निराकरण : कलेक्टर

अशोकनगर, ईएमएस।

आम जन की समस्याएं सहजता, सरलता तथा सुगमता के साथ निराकरण करें, जिससे आने वाले आवेदकों की समस्याएं एवं शिकायतों का निराकरण तत्परता से हो सकें। इस आश्य के निर्देश कलेक्टर आदित्य सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में उपस्थित जिला अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आने वाले आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुना एवं निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम कैथन निवासी चिन्टूलाल अहिरवार द्वारा भूमि पर से कब्जा हटवाये जाने, ग्राम वायंगा निवासी यशपाल सिंह द्वारा भूमि का सीमांकन कराये जाने, ग्राम सेजी निवासी रामप्रसाद आदिवासी भूमि का सीमांकन कराये जाने, ग्राम महाना निवासी कल्लू केवट द्वारा भूमि पर जबरन कब्जा किये जाने, ग्राम जोलन निवासी गोपाल सिंह द्वारा जमीन को ऑनलाईन चढाये जाने, ग्राम ठेका निवासी गोदा जाटव द्वारा पट्टे का नाम कम्प्यूटर पर चढाये जाने, ग्राम सेपरा निवासी जगभान सिंह यादव द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाये जाने, पिपरई निवासी दयाराम अहिरवार द्वारा प्लाट पर अवैध कब्जा किये जाने, ग्राम गदूली निवासी गोलू रजक द्वारा प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराये जाने, ग्राम बरधुआया निवासी रामकेश रजक द्वारा प्रधामंत्री आवास स्वीकृत कराये जाने, ग्राम सेपरा निवासी गुड्डा आदिवासी द्वारा सीमांकन सही कराये जाने, ग्राम जनोदा निवासी सिरनाम अहिरवार द्वारा खेत पर गेंहू की फसल उजाडने के किये जाने, ग्राम खिरिया महू निवासी चुन्नीलाल अहिरवार द्वारा प्रधानमंत्री आवास के लिये भूखण्ड उपलब्ध कराये जाने, ग्राम गर्रोली निवासी दानवीर यादव द्वारा कपिल धारा योजना के अंतर्गत कुआ खुदावाने हेतु प्रमाणीकरण दिलाये जाने, ग्राम नरखेडा निवासी तुरसा बाई दांगी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि राशि दिलाये जाने, ग्राम मीठाखेडा निवासी जगदीश यादव द्वारा केसीसी का खाता बंद कराए जाने सहित 188 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदन का निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, अपर कलेक्टर मुकेश कुमार शर्मा, संयुक्त कलेक्टर सोनम जैन, आरबी सिण्डोस्कर सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

3 लाख की अवैध शराब पकड़ाई

35 प्लास्टिक कैन और 3 लोहे की टंकियां जब्त

अशोकनगर, ईएमएस।

जिले में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। मंगलवार सुबह 7 बजे कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर अभियान चलाया गया। जिला आबकारी अधिकारी जीपी केवट के मार्गदर्शन में टीम ने ग्राम चरोदा में सिंध नदी के किनारे और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान 35 प्लास्टिक के कैन और 3 लोहे की टंकियों में रखा 1 हजार 200 लीटर महुआ लाहन जब्त किया गया। आबकारी विभाग ने मौके पर ही लाहन को नष्ट कर दिया। मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 3 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जब्त की गई शराब की कीमत लगभग 3 लाख रुपए आंकी गई है। आबकारी उपनिरीक्षक सुरेश सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। इस दौरान आबकारी आरक्षक अजय सिंह तोमर और नगर सैनिकों का सहयोग रहा। विभाग की ओर से इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सरपंच, सचिव, उपयंत्री और उप सरपंच ने निर्माण कार्य व अन्य व्यय के नाम पर किया लाखों का भ्रष्टाचार

शहवाजपुर ग्राम पंचायत के ग्रामीण ने कलेक्टर को आवेदन देकर की जांच की मांग

अशोकनगर, ईएमएस। चाहे मनरेगा मद के कार्य हो या पंच परमेश्वर मद या अन्य वित्त आयोग सभी में लगातार सरपंच, सचिव उपयंत्री एवं उप सरपंच मिलकर भ्रष्टाचार की सारी पराकाष्ठायें पार करते नजर आ रहे हैं। इस संबंध में जिले के कलेक्टर व मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आए दिन शिकायत मिलती रहती है लेकिन कार्यवाही मात्र कोरमा पूर्ति ही दिखाई देती है। ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत अशोकनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत शहवाजपुर का है जहां पर सचिव एवं सरपंच के द्वारा मिली भगत कर लाखों का घोटाला किया गया है। जिसकी शिकायत मंगलवार को गांव के एक व्यक्ति द्वारा जनसुनवाई में की गई है।

मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदक हरनाम सिंह पुत्र लटूरी कुशवाहा निवासी ग्राम जुग्या ने कलेक्टर को शिकायती आवेदन देकर जांच की मांग की है। आवेदक ने बताया कि ग्राम पंचायत शहवाजपुर एवं जुग्या में सरपंच सचिव, उप सरपंच, उपयंत्री द्वारा भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। सभी निर्माण कार्य फर्जी तरीके से किए जा रहे हैं। पोखर, खडंजा, मुरम, सोखता गड्ढा, जो भी निर्माण कार्य किये गये थे, वह निर्माण कार्य केवल कागजों में ही किए गए। मौका पर निर्माण कार्य नहीं किये जा रहे है। लगभग 1 वर्ष से ग्राम वासियों द्वारा शिकायत की जा रही है। फिर भी जान बूझकर पंचायत के द्वारा किए गए फर्जी निर्माण कार्यों की आज तक कोई जांच नहीं हुई है। पंचायत के उपयंत्री द्वारा मनमानी करते हुए मना करने पर भी टी.एस. की जाती है। ग्राम वासियों द्वारा अगर शिकायत की जाती है, तो पंचायत के लोगों द्वारा धमकी दी जाती है, कि अगर किसी ने हमारी शिकायत की तो हम कहीं न कहीं देख लेंगे। ग्राम पंचायत में निर्माण कार्यों की मस्टर द्वारा जो राशि निकाली जाती है, वह भी बिना मजदूरों के फर्जी तरीका से नाम भरकर राशि निकाली जाती है।

ग्राम पंचायत में जो पोखर निर्माण किए गये है, वह भी मजदूरों की जगह जे.सी.बी. मशीन द्वारा खुदवाये गये है। 25 की जगह, 15 ही मौके पर खोदे गये हैं। इनमें 10 फर्जी है। इनमें भी जो खुदाई होना थी वह भी सही खुदाई नहीं हुई है। आवेदक ने कलेक्टर से मांग की है कि ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, उप सरपंच उप यंत्री द्वारा जो भ्रष्टाचार किया जा रहा है,उसकी किसी वरिष्ठ अधिकारी से जांच करवाकर तत्काल कार्यवाही की जावे। और शिकायत कर्ता को जब भी जांच हो मौके पर बुलाकर निराकरण किया जाये।

जनसुनवाई में पहुंचा युवक, बोला- झूठे केस में फंसाने की दी जा रही धमकी

अशोकनगर, ईएमएस। जिले के सेमरखेड़ी गांव निवासी रामकुमार पिता जसवंत सिंह यादव ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देते हुए आरोप लगाया कि उन्हें और उनके परिवार को गांव के ही कुछ दबंगों द्वारा झूठे केस में फंसाया गया है तथा गंभीर रूप से मारपीट की गई है। रामकुमार के अनुसार, 7 नवम्बर 2024 को लक्ष्मी कुमार, राजाभैया, मंगल सिंह, शिवजीत, लखन जसवंत सहित अन्य लोग उनके घर में घुस आए और परिवार के साथ मारपीट की। इस हमले में रामकुमार के सिर में गंभीर चोटें आईं और सात टांके लगे, वहीं उनकी पत्नी और मां को भी गंभीर चोटें पहुंचीं। पीड़ित ने बताया कि घटना का वीडियो भी उनके पास मौजूद है, फिर भी पुलिस उचित कार्रवाई नहीं कर रही है और समझौते का दबाव बना रही है।

सेवानिवृत शासकीय सेवकों का अनुभव सबसे बड़ी धरोहर : कलेक्टर

सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों का सम्मान कर दी विदाई

अशोकनगर, ईएमएस। सेवानिवृत्ति शासकीय सेवकों का अनुभव हम सबके लिए प्रेरणादायक एवं सबसे बड़ी धरोहर है। साथ ही अपने अनुभव द्वारा किये गए शासकीय कार्य एवं परिवार के प्रति कर्तव्य की नींव स्थापित कर शासन एवं जिला प्रशासन की नीव को मजबूत किया है। यह बात कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में माह अप्रैल में सेवानिवृत हुए अधिकारियों, कर्मचारियों के सम्मान समारोह के अवसर पर व्यक्त किये। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शासकीय सेवकों ने अपने-अपने जीवन का बड़ा हिस्सा शासकीय सेवा के लिये समर्पित किया है। शासकीय सेवा में रहते हुए साधन विहीन होते हुए भी बेहतर ढंग से कार्यो को संपादित कर नवीन परिवर्तन युग में भी अपनी सेवाएं दी हैं। सभी सेवानिवृत्ति शासकीय सेवकों को सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि आगामी जीवन का बहुमूल्य समय अपने परिवार को दें। साथ ही अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें एवं खुश रहें।

भीषण गर्मी में भी नहीं रुकी सेवा : ब्लड हेल्प ग्रुप की युवतियां कर रही हैं रक्तदान

अशोकनगर, ईएमएस।

मौसम चाहे जितना भीषण क्यों न हो, जरूरतमंदों की मदद के लिए समर्पित लोग कभी पीछे नहीं हटते। इसका जीवंत उदाहरण है शहर का ब्लड हेल्प ग्रुप, जिसके सदस्य हर मौसम में, हर हाल में जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने के लिए रक्तदान करते हैं।

इस बार विशेष बात यह रही कि भीषण गर्मी के बावजूद युवतियों ने भी रक्तदान में अग्रणी भूमिका निभाई। हाल ही में जिला चिकित्सालय से सूचना मिलते ही ब्लड हेल्प ग्रुप की माला पाराशर, पूजा नामदेव और अंजली शर्मा ने तुरंत पहुँचकर मरीजों के लिए रक्तदान किया। माला पाराशर ने 10वीं बार, पूजा नामदेव ने 8वीं बार और अंजली शर्मा ने 4वीं बार रक्तदान कर समाज के प्रति अपने दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। भीषण गर्मी में भी इन युवाओं की यह सेवा-भावना निश्चित ही प्रेरणादायक है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली है।

बाल चौपाल में शैक्षणिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का हुआ आयोजन

अशोकनगर, ईएमएस। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारीचंद्रसेना भिड़े के निर्देशन में मंगलवार को आंगनवाड़ी केंद्र देवखेडी पर बाल चौपाल का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के समग्र विकास एवं अभिभावकों को बाल संरक्षण, पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना।

कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय की भागीदारी देखने को मिली, जिसमें छोटे बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी सक्रिय रूप से सहभागिता की। बाल चौपाल के दौरान बच्चों के लिए मनोरंजक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनके माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को सहज एवं रोचक बनाया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी चंद्रसेना भिड़े के मार्गदर्शन में आयोजित यह बाल चौपाल न सिर्फ बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए प्रेरणास्पद सिद्ध हुई, बल्कि अभिभावकों को भी बाल विकास की अहम अवधारणाओं से अवगत कराने में सफल रही। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, पोषण संबंधी जागरूकता, अभिभावकीय भूमिका तथा 'मिशन नींव' के उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी साझा की।साथ ही ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से जारी रखने की योजना है, ताकि समाज में बाल अधिकारों, पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता का प्रसार हो सके। इस अवसर पर पर्यवेक्षक विमलेश रघुवंशी, रॉकेट लर्निंग (मिशन नींव) संस्था के जिला समन्वयक विपिन रघुवंशी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शीतल धाकड़ की उपस्थित रही।

आज अक्षय तृतीया, ब्राह्मण समाज निकालेगा वाहन रैली

खरगोन, ईएमएस। वैशाख मास की तृतीया याने अक्षय तृतीया पर महापराक्रमी योद्धा, सत्य रक्षक, भगवान विष्णु के अवतार, समाज में श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों के प्रतिष्ठाता, अपने ज्ञान, शौर्य व तपोबल से न्याय की स्थापना करने वाले भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इसके अलावा शादियों, मंगल कार्यों की धूम भी रहेगी। अक्षय तृतीया पर बुधवार को ब्राह्मण समाज अपने आराध्य भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाएगा। आयोजन के संरक्षक और पूर्व विधायक रवि जोशी ने बताया कि 30 अप्रैल को शाम 5 बजे कुंदा तट स्थित गणेश मंदिर से विराट वाहन रैली निकाली जाएगी, जो झंडा चौक, सराफा बाजार, एमजी रोड़, बस स्टैंड, टीआईटी कांप्लेक्स, जवाहर मार्ग होते हुए राधावल्लभ मार्केट स्थित परशुराम चौराहा पर पहुंचेगी। यहां भगवान परशुराम का पूजन कर महाआरती की जाएगी और महाप्रसादी का वितरण होगा।

आईजी कार्यालय से लेकर देहात थाना, हरियाली तक सड़क किनारे अतिक्रमण कब हटेंगे?

अतिक्रमण को लेकर परिवहन अधिकारी भी कलेक्टर सहित नगर पालिका सीएमओ से कर चुकी शिकायत

नर्मदापुरम (ईएमएस)। संभाग और जिला मुख्यालय का तमगा लिए नर्मदापुरम नगर की सड़के अतिक्रमण की चपेट में होकर वाहन चालकों सहित राहगीरों के लिए दुर्घटना का सबब बनती जा रही हैं।नगर के मीनाक्षी चौराहे से लेकर आईटीआई रोड कृषि उपज मंडी परिसर, हरियाली चौक से होते हुए देहात थाना,आईजी ऑफिस, नवीन जेल रोड कुलामढ़ी तिराहे तक बड़ी संख्या में फिर एक बार रासुकदारों ने अपने टॉप रखकर सड़क किनारे भेजो अतिक्रमण कर लिया है जिससे राहगीरों को साथ ही वाहन चालकों को सड़क परिवहन चलाने में हमेशा ही दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है साथ ही कुछ टेपों में आवे शराब कारोबार भी होता है जिसके कारण अपराधी गतिविधियां भी बढ़ रहे हैं और इन क्षेत्रों में आए दिन लड़ाई झगड़े की खबरें भी सामने आती है।

क्षेत्रीय विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा द्वारा पिछले दिनों पुलिस प्रशासन से नगर में बढ़ते अपराध के पीछे अतिक्रमण भी एक मुख्य कारण बताया गया और अतिक्रमण भी हटाया जाए। प्रशासन द्वारा अतिक्रमण महिमा शुरू की गई परंतु वह इन दोनों सार्थक कारगर नहीं हो पा रही हैं। मुख्यमंत्री

डॉ मोहन यादव नर्मदापुरम दिसंबर 2024 में आईटीआई परिसर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कार्यक्रम में शामिल होने आए थे, तब नवीन जेल रोड तिराहे से लेकर हरियाली चौक तक का सड़क किनारे सरकारी जमीन पर टपों को रखकर किए गए अतिक्रमण को सख्ती से हटाया गया था। उसके बाद पुनः यहां पर टप स्थापित कर लिए गए हैं, जो कि स्थानीय जिला प्रशासन और नगर पालिका प्रशासन को मुंह चिढ़ा रहे हैं। सूत्रों की माने तो कुछ रसूखदार कथित लोगों द्वारा इन टपों के एवज में अवैध वसूली कर रहे है जो गारंटी लेते हैं कि टपों को प्रशासन नहीं हटा सकता है? क्योंकि उन कथित रसूखदारों का पुलिस थाना से लेकर अधिकारियों के बीच आना-जाना भी होता है। आश्चर्य तो यह भी होता है कि क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने तो खुद कलेक्टर सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आईटीआई रोड से अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्व में पत्र भी लिख चुकी हैं। जिसमें कहा गया है कि आरटीओ ऑफिस देहात थाने के आसपास ऑनलाइन संचालकों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है, ऐसी जानकारी प्राप्त हुई है कि अतिक्रमण के साथ-साथ किराए पर भी टप चलाए जा रहे हैं, जिसमें रात के समय सामाजिक गतिविधियां भी होती हैं। जिस पर नियमानुसार कार्रवाई सहित रोड को अतिक्रमण से मुक्त कराए जाने के लिए भी लिखा गया है। उसके बावजूद आईटीआई रोड का अतिक्रमण नहीं हटाया जाना अतिक्रमणकारियों के रसूख को प्रदर्शित करता है। देखना यह है कि सिटी मजिस्ट्रेट सहित शहरी तहसीलदार, नगर पालिका प्रशासन का अमका क्या यहां का अतिक्रमण हटाकर सड़क को सुगम आवागमन सहित दुर्घटना मुक्त बना पाएगा अथवा सब कुछ ऐसे ही चलता रहेगा? पर सवाल खड़े होते हैं?

ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए सामुदायिक भवन शासकीय भूमि पर ही बनाया जाए

वाटरमेन को 5 माह का नहीं मिला मानदेय, जनसुनवाई में की शिकायत

खरगोन, ईएमएस। कलेक्टर कार्यालय परिसर में मंगलवार को हुई जनसुनवाई के दौरान 61 आवेदको ने अपने समस्यामुलक आवेदन अधिकारियों को सौंपे है।

बड़वाह की रोशनी कलमे शिकायत लेकर आयी थी कि उसका पति रवि कलमे उसकी एक साल की बेटी को लेकर 20 अप्रैल 2025 से लापता है। पुलिस उसके पति व बेटी की तलाश में कोई मदद नहीं कर रही है। ग्राम पंचायत दौड़वा के राकेश चौहान ने मार्च 2023 से 15 अगस्त 2023 तक बतौर वाटरमेन सेवाएं देने के दौरान तय मानदेय 7 हजार रुपए प्रतिमाह नही मिलने की शिकायत की है। चौहान ने अपने 35 हजार रुपए मानदेय दिलाए जाने की मांग की है। ग्राम पंचायत गोपालपुरा के ग्रामीण शिकायत लेकर आये थे कि पंचायत के उप सरपंच राकेश एवं सचिव महेन्द्र द्वारा सामुदायिक भवन का निर्माण शासकीय भूमि पर न किया जाकर गांव से दूर निजी भूमि पर किया जा रहा है।

ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए यह भवन शासकीय भूमि पर ही बनाया जाये। बैड़ीपुरा भीकनगांव के शिवराम प्रजापत शिकायत लेकर आये थे कि उनकी आयु 83 वर्ष की हो चुकी है। उनकी आयु के अन्य लोगों को 1500 रुपये की पेंशन मिलती है, जबकि उन्हें 600 रुपये प्रतिमाह ही पेंशन मिल रही है।

ग्राम कमोदवाड़ा के किसान सरदार पिता बनसिंह शिकायत लेकर आये थे कि अम्बार नदी कमोदवाड़ा में जो नहर बनी है उसका पानी रिसकर उसके खेतों में जा रहा है। जिसके कारण उसकी खेत में लगी फसलों को नुकसान हो रहा है। अत- उसकी इस समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए। इस पर सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। कसरावद तहसील के ग्राम ठीकरी मुकुन्दपुरा के किसान लल्लाखान पिता अब्दुल रहमान शिकायत लेकर आये थे कि उनकी कृषि भूमि ग्राम मुकुन्दपुरा में स्थित है। उन्हें भारत शासन की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।

जिले के चार स्थानों पर बन रहा 32 किमी लंबाई का बायपास

खरगोन, ईएमएस। जिले के नगरीय क्षेत्रों में आवागमन के बढ़ते दबाव, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने ओर सुगम यातायात के लिए 4 स्थानों को चिन्हित कर बायपास निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार ने 4 स्थानों के 32 किमी बायपास निर्माण के लिए 467 करोड़ 93 लाख रुपये की मंजूरी प्रदान की गई है। लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग इंदौर के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि कसरावद, सैलानी, खरगोन एवं बिस्टान में टू लेन विथ पेव्हड शोल्डर्स में 10 मीटर चौड़ाई के बायपास निर्माण के लिए कुल 467 करोड़ 93 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

- **निर्माण के लिए 467.93 करोड़ रुपये की मिली है मंजूरी**

जिला अस्पताल जन औषधि केंद्र में दवाओं का अभाव, मरीज बैरंग लौटने को मजबूर

बुरहानपुर, ईएमएस। केंद्र की जन औषधि योजना के तहत शहर सहित जिला अस्पताल में भी यह औषधि केंद्र रेडक्रॉस सोसाइटी के द्वारा एक निजी व्यक्ति के लाइसेंस पर संचालित है परंतु रेडक्रॉस और केंद्र संचालक के द्वारा यहां बिकने वाली जीवन रक्षक दवाओं का अभाव होने से मरीज बैरंग लौटने को मजबूर है।

केंद्र संचालक का कहना है कि इन दवाओं के बनाने की प्रक्रिया प्रोसेस में है, अस्पताल से डॉक्टर जिन जेनेरिक दवाओं को लिखा जाता है वह अभी यहां उपलब्ध नहीं है, ज्ञात हो की केंद्र सरकार की जेनेरिक दवा योजना के तहत यह दवाई बाजार से 70 से 90 प्रतिशत तक सस्ती मिलती है, लेकिन समय पर केंद्र संचालक इन दवाओं को नहीं बुलाने के चलते यह स्थिति बनी है। केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा जन औषधि केन्द्रो को खोले जाने पर खूब वह वाही तो लूटी जाती है परंतु इन औषधि केंद्रो पर दवाओं के नहीं मिलने से इनका मखौल भी उड़ता है। जिला अस्पताल बुरहानपुर में भी जन औषधि केंद्र खोला गया है परंतु अकसर यह देखा गया है कि डॉक्टर की लिखी वह दवा यहां उपलब्ध नहीं होती है जिससे मरीज को वही दवाई एथिकल खरीदने से महंगे दाम चुकाने होते हैं अब जबकि जिला अस्पताल में यह केंद्र रेडक्रॉस सोसाइटी के द्वारा संचालित किया जा रहा है तो यहां सभी जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध हो इस के लिए लाइसेंसी दवा विक्रेता को निर्देशित करें कि वह समय रहते दवाओं की डिमांड दे ताकि आभाव की स्थिति नहीं बन सके।

शोभायात्रा को मूर्त रूप देने की तैयारी बैठक

मैहर। भगवान परशुराम का जन्मोत्सव भव्यता के साथ मनाए जाने को लेकर मंगलवार को होटल यश पैलेस में विप्रजनों की अंतिम तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष देवेंद्र पांडे ने की। शोभायात्रा के संयोजक राजललन मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि बड़ा अखाड़ा में शोभायात्रा सायं 4 बजे प्रारंभ होगी। जो पुरानी बस्ती घंटाघर चौक होते हुए चंडी देवी मंदिर में संपन्न होगी।

प्रदेश आसपास

आग से झुलसे परिवार के सदस्यों को रेडक्रास से स्वीकृत की सहायता राशि

देवास। विगत दिनों अमृत नगर क्षेत्र में एक घर में गैस सिलेंडर की नली निकल जाने से अचानक आग लग गई। आग लगते ही घर में मौजूद पांच लोग इसकी चपेट में आ गए। आग से झुलसे एक ही परिवार के पांच सदस्यों को रेडक्रॉस से आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने को लेकर वार्ड क्रं. 22 पार्षद प्रतिनिधि रूपेश वर्मा मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष आवेदन लेकर पहुंचे।

फटाफट खबरें

युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को फांसी दी जाए

देवास। एक दलित युवती के साथ मुस्लिम युवक व उसके अन्य साथियों ने रेप किया। उक्त घटना से बागरी समाज सहित सर्व हिन्दू समाज में आक्रोश व्याप्त है। दुष्कर्म के आरोपी पर कडी से कडी कार्यवाही करते हुए फांसी दिए जाने एवं मकान ध्वस्त की मांग को लेकर बागरी युवा संघ ने सर्व हिन्दू समाजजनों के साथ मिलकर प्रदेशाध्यक्ष बाबू यादव के नेतृत्व में नोरबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय चंद्रवंशीय बागरी समाज प्रदेश महासचिव सुनील यादव ने बताया कि बागरी समाजजनों के साथ सर्वसमाज के लोग भोपाल चौराहा पर एकत्रित हुए। वहां से रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि देवास जिले के ग्राम नोशराबाद में बागरी समाज की एक बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। आरोपी शौकत मंसूरी एवं अन्य उसके साथी समाज की बालिका को कई दिनों से प्रताड़ित कर रहे थे। जब बालिका ने उनको रोकने की कोशिश की तो उन्होंने बालिका के साथ जोर जबरजस्ती और मारपीट करते हुए दुष्कर्म किया। उक्त घटना से बालिका व पूरा परिवार बहुत डरा व सहमा हुआ है। बागरी युवा संघ ने मांग की है कि उक्त घटना के समस्त आरोपियों पर कडी से कडी कार्यवाही करते हुए फांसी की सजा दी जाए। आरोपियों के घर तोडे जाए एवं बालिका उपचार सही तरह से कराया जाकर आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इस दौरान बडी संख्या में समाजजन व सर्वसमाज के लोग उपस्थित थे।

सर्व ब्राह्मण महासभा संघ की वाहन शौर्य यात्रा 30 अप्रैल को

देवास। सर्व ब्राह्मण महासभा संघ द्वारा भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर वाहन शौर्य यात्रा एवं भण्डारे का आयोजन होगा। उक्त आयोजन को लेकर संघ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा स्टेशन रोड स्थित होटल लगन पैलेस पर प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष पं. प्रशांत शर्मा अभिभाषक ने कहा कि राज राजेश्वर भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव पर वाहन शौर्य यात्रा 30 अप्रैल, बुधवार को सायं 5 बजे मल्हार स्मृति मंदिर (सयाजी द्वार) से प्रारंभ होगी। यात्रा के समापन पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन सायं 7 बजे से परशुराम जी मंदिर चाणक्यपुरी में होगा। प्रात: 8.30 बजे भगवान श्री परशुराम जी की पूजा, हवन के साथ आरती होगी। प्रेसवार्ता में उपस्थित पं. हर्ष शास्त्री, पं. देवकीनंदन समाधिया, पं. रोहित शर्मा, पं. रमेश जोशी, पं. अरविंद शर्मा, पं. विक्रम शर्मा, पं. राजेश व्यास, पं. सुरेन्द्र दुबे, पं. महेन्द्र व्यास, पं. दीपक जोशी, स्नेहलता शर्मा, पं. अखिलेश चौधरी, पं. राजेन्द्र शर्मा आदि ने ब्रह्मबंधु, मातृशक्ति, युवा शक्ति, सम्पूर्ण ब्राह्मण समाज एवं सम्पूर्ण सनातनियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर वाहन शौर्य यात्रा एवं भोजन प्रसादी ग्रहण करने की अपील की है।

भेड़ों के बाड़े में हमला, वन विभाग जांच में जुटा

गांव में जंगली जानवर का हमला 30 भेड़ों की मौत, 8 भेड़ें घायल

● शिवपुरी, ईएमएस।

शिवपुरी जिले के नरवर तहसील के ठाठी गांव में एक जंगली जानवर द्वारा भेड़ों के बाड़े में शिकार किए जाने का मामला सामने आया है। इस जंगली जानवर के हमले में 30 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि 8 भेड़ें गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों ने बताया है कि भेड़ों के बाड़े में जंगली जानवर ने हमला किया। इस हमले में ग्रामीण ज्ञान सिंह बघेल की भेड़ों की मौत हुई है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि भेड़ों के बाड़े में तेंदुए ने हमला किया है। बताया जाता है कि नरवर व इसके आसपास के जंगली इलाके में कई बार तेंदुआ देखा भी गया है। इस मामले में वन विभाग के डिप्टी रेंजर सतीश मौर्य ने बताया ग्रामीणों द्वारा दी गई सूचना के बाद घटनास्थल से मिले पदचिन्हों और अन्य सबूतों को जांच के लिए लैब भेजा गया है। मृत भेड़ों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। इसके बाद पीड़ित को मुआवजा देने की कार्रवाई होगी।

ग्रामीण शादी में गया था तभी किया हमला: शिवपुरी के नरवर तहसील के ठाठी गांव में के ग्रामीण ज्ञान सिंह बघेल ने बताया कि रात एक अज्ञात जंगली जानवर ने भेड़ों के बाड़े में घुसकर हमला किया। इसमें 30 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि 8 भेड़ें गंभीर घायल हो गईं। ज्ञान सिंह बघेल ने बताया कि घटना के समय वे सतनवाड़ा में एक शादी समारोह में गए थे। घर पर केवल बच्चे मौजूद थे, जब रात में बाड़े में बंद भेड़ों पर जंगली जानवर ने हमला कर दिया। इसमें 30 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि 8 भेड़ें घायल हो गईं। वन विभाग और पशु चिकित्सा दल मौके पर पहुंचा, डॉक्टर ने घायलों का उपचार शुरू कर दिया है। वहीं वन अमले ने घटनास्थल से मिले पदचिन्हों और अन्य सबूतों को जांच के लिए लैब भेजा है।

भाजपा विधायक रमेश प्रसाद मौके पर पहुंचे: करैरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ठाठी में 30 भेड़ों की मौत के बाद करैरा से भाजपा विधायक रमेश खटीक घटना स्थल पर पहुंचे और यहां पर पीड़ित ग्रामीण से बात की। विधायक ने पीड़ित पशुपालक ज्ञान सिंह बघेल को ढांढस बंधाते हुए आश्वस्त किया कि इस संकट की घड़ी में वे अकेले नहीं हैं सरकार से हर संभव मदद दिलाई जाएगी। विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने क्षति का आकलन करने और पशुपालक ज्ञान सिंह बघेल को शीघ्र मुआवजा दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए उनके साथ मौके पर वन विभाग के रेंजर, नरवर तहसीलदार, मंगरौनी पुलिस बल तथा पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत की जा रही गतिविधियां

सीहोर। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, रंगोली, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं, शपथ सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है।

जिला प्रशासन ने बाल विवाह रुकवाया

● शिवपुरी, ईएमएस।

शिवपुरी जिले में इस समय शादियों का दौर जारी है। इसी बीच जिले के पोहरी विकासखंड में दो जगह पर बाल विवाह के मामले सामने आए हैं। बाल विवाह की सूचना के पास जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और यहां संबंधित परिवारों को समझाइश देकर यह बाल विवाह रुकवाए हैं। जिला प्रशासन ने इन बाल विवाह के मामले को संज्ञान में लिया है और बाल विवाह न करने की समझाइश संबंधित परिवारजनों को दी है।

सूचना मिलते ही टीम पहुंची: जिला प्रशासन द्वारा सूचना मिलने के बाद दो जगहों पर बाल विवाह रूकवाने की कार्रवाई की। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र सुंदरियाल ने बताया कि पोहरी के छर्च में मुन्ना कुशवाह द्वारा 17 वर्षीय बेटी का विवाह किया जा रहा था। वहीं ग्राम महदेवा निवासी रामावतार आदिवासी द्वारा 17 वर्ष के बेटे का विवाह कराया जा रहा था। जब इसकी सूचना प्रशासन को मिली तब तत्काल नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग पोहरी के परियोजना अधिकारी नीरज गुर्जर ने पहुंचकर परिजनों को समझाइश दी और बाल विवाह रुकवाया।

विवाह आयोजनों पर प्रशासन की नजर: जिले में होने वाले विवाह आयोजनों में बाल विवाह न हो इसके लिये जिला प्रशासन सतर्क है। प्रत्येक विवाह आयोजन पर नजर रखने हेतु निगरानी दलों का गठन किया गया है। इसके लिए कलेक्टर एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी रवींद्र कुमार चौधरी ने समस्त मैदानी अधिकारियों को पूर्ण सतर्क रहने को निर्देशित किया है।

सेवादल का मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम संपन्न

मैहर। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई, मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष योगेश यादव के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में मासिक ध्वज बंदन कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धर्मेश घई के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता केशव प्रसाद चौरसिया की अध्यक्षता तथा युवा नेता अखंड प्रताप सिंह के विशिष्ट अतिथि में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गीत के साथ ध्वज बंदन कर राष्ट्र गान किया गया। तत्पश्चात हार्डिकर जी के चित्रपट पर दीप प्रज्जवलन कर किया गया। सेवादल के सिपाहियों द्वारा उपस्थित अतिथियों का सूत की माला से स्वागत किया गया।

54 लीटर अवैध शराब सहित एक आरोपी गिरफ्तार

मैहर। पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीरअग्रवाल के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी और उनकी टीम द्वारा शराब तस्कर के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उनके कब्जे से 54 लीटर अवैध शराब जप्त की गई है। घटना दिनांक 28 फरवरी को थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि हरदुआ तालाब वार्ड नंबर 4 मैहर में पीपल के पेड़ के नीचे एक व्यक्ति प्लास्टिक की दो बोरियों में अवैध शराब बिक्री हेतू रखा है। तस्दीक पर मुखबिर की सूचना सही पाए जाने पर पुलिस टीम के द्वारा आरोपी अमित चौरसिया पिता कमलेश चौरसिया निवासी चौरसिया मोहल्ला मैहर के कब्जे से 54 ली. अवैध शराब जप्त की गई। एवं आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय पेश किया गया ।गिरफ्तार नाम पता आरोपी अमित उर्फ मकरा पिता कमलेश चौरसिया उम्र 23 वर्ष पता चौरसिया मोहल्ला मैहर। जप्ती 54 लीटर अवैध शराब कीमती 27000 रुपये है। सराहनीय भूमिका में निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी, प्रधान आर अनिल सिंह, राघवेंद्र सिंह ,विपिन सोधिया , जय बागरी, श्याम सुंदर कुशवाहा ,हिमांश साकेत एवं कमलभान सिंह की रही।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र पर मुख्य दादी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

● सिरोंज, ईएमएस।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वर विश्वविद्यालय सेवा केंद्र सिरोंज पर ब्रह्मा कुमारीज मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी रतन मोहिनी दादी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बीना सेवा केंद्र से पधारी सरोज दीदी के साथ कार्यक्रम में शामिल हुई दादी जी के साथ अनुभव सांझा किया। अर्थात उन्होंने बताया कि जैसे दादी जी का नाम था इसका अर्थ भी बहुत सुंदर बताया। रतन को आकर्षित करने वाली उनके सुंदर नाम जैसे ही उनके कार्य उन्होंने लाखों भाई-बहनों के जीवन को परमात्मा के अमूल रतन से शोभित कर दिया। साथ ही समाज को परिवर्तन करने प्रेरणा एवं कार्य किया। तो वही सिरोंज सेवा केंद्र की प्रभारी बीके सरस्वती दीदी ने दादी जी से प्रेरणा लेकर उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दादी जी ने कई ऐसे कार्य किए जिससे नाभियों पीडी को प्रेरणा मिली एवं हजारों किलोमीटर युवाओं की यात्रा निकाली गई और कई कुमारियों का जीवन पवित्रता प्रभु प्रेम से भर दिया। तो वही अंतिम समय तक दादी जी ने सभी को उमंग उत्साह खुशी प्रभु प्रेम से सदैव भरपूर रखा। वही उन्होने बताया कि दादी जी की प्रासियां की महिमाएं बहुत है दादी जी को भारत गौरव रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि भी दी गई। इस मौके पर मंडी बामोरा सेवा केंद्र से पधारी बीके मधु दीदी एंव मुंगावली सेवा केन्द्र से पधारी रियासा दीदी ने गीत एवं कविता से दादी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिवक्ता और पत्रकार संघ के अध्यक्षों ने दी श्रद्धांजलि - इस अवसर पर कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित हुए अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एडवोकेट कपिल त्यागी एंव सिरोंज पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने ब्रह्म कुमारीज मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी रतन मोहिनी दी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुसंस्कार संवर्धन संदेश और यज्ञ

सीहोर। शहर के सैकड़ाखेड़ी पर शांतिकुंज हरिद्वारा के मार्गदर्शन में शक्ति संवर्धन विराट 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ बहुत ही भव्य और दिव्य है। गायत्री परिवार समाज में संस्कार के बीज बो रहा है। यहां पर आचार, विचार, व्यवहार व संस्कार से युक्त व्यक्ति ही जीवन के हर क्षेत्र में तरक्की करता है। गायत्री परिवार का मूल मंत्र पहले खुद सुधरो, फिर जग सुधरेगा इसी पर आधारित है। हमें स्वयं में बदलाव लाना होगा। उक्त विचार अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहे।

शक्ति संवर्धन विराट 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के तृतीय दिवस अंतराष्ट्रीय कथा वाचक श्री मिश्रा का आगमन हुआ, उन्होंने अथिति देवोभव की परम्परा का उल्लेख करते हुए शांतिकुंज टोली की ब्रह्मवादिनी का स्वागत वंदन किया और कहा कि ब्रह्मवादिनी बहिनों द्वारा वेदमंत्रो के सस्वर समूहिक उच्चारण उन्हें बहुत अच्छा लगा, मंत्रोचार की पावन ध्वनि से सीहोर नगर धन्य हुआ है। उन्होंने इस पुण्य कार्य को सीहोर नगर मे आयोजित किये जाने बाबत गायत्री परिवार सीहोर और शक्तिकुंज हरिद्वार की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया. मंगलवार को प्रातः काल यज्ञ आहुतियों के साथ 60 दीक्षा, 05 यज्ञोपवीत, 10 विद्यारम्भ, 10 पुंसवन, और 05 नामकरण संस्कार सम्पन्न हुए। यज्ञ स्थल पर सुसज्जित गायत्री माता का मंदिर, सेल्फी पॉइंट गायत्री कल्पवृक्ष, ऋषियों का यज्ञदर्शन, युगऋषि, वेदमूर्ति पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित 3200 पुस्तकों की जीवन निर्माण आधारित विभिन्न पुस्तकों की विशाल रेंज और गायत्री परिवार की विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियों तथा ऑडिओ बुक्स की गैलरी एवं प्रदर्शनी श्रद्धालुओं के अवलोकन हेतु उपलब्ध है। इस संबंध में जानकारी देते हुए उपजोन समन्वयक आरपी हाजरी और जिला कार्यक्रम संयोजक श्रीमती रमिला परमार और मीडिया प्रभारी पुष्पा शर्मा ने बताया कि बुधवार को सुबह पांच बजे से ध्यान साधना एवं प्रज्ञा योग, सुबह सात बजे यज्ञ संस्कार, पूर्णाहुति एवं प्रसादी वितरण किया जाएगा।

चर्च मैदान पर निःशुल्क 85 दिवसीय ग्रीष्म कालीन फुटबाल प्रशिक्षण शिविर

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में निशुल्क 85 दिवसीय ग्रीष्म कालीन फुटबाल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत मंगलवार को एक मुकाबले में सीहोर क्लब ने सीहोर गर्ल्स को 4-2 से हराया। इस मुकाबले में सीहोर क्लब की ओर से ध्रुव ने शानदार दो गोल किए। मंगलवार की शाम को हुए एक तरफा मुकाबले में सीहोर क्लब ने सीहोर गर्ल्स को 4-2 से हराया, इस विजय के बाद सीहोर क्लब टाप पर है, इसके अलावा अन्य टीम भी अपना शानदार खेल का प्रदर्शन कर रही है। इस मैच में सीहोर क्लब की ओर से ध्रुव ने दो गोल, आयुष्मान-श्याम ने एक-एक गोल किया। इधर सीहोर गर्ल्स की ओर से माया-दृष्टि ने एक-एक गोल किया। बुधवार की शाम को सीहोर चिल्ड्रन और सीहोर ब्लू के मध्य मैच खेला जाएगा।

गर्मी के बीच सड़क पर दौड़ती स्कूटी में लगी आग

● शिवपुरी, ईएमएस।

शिवपुरी में इस समय गर्मी के टीके तेवर जारी है दिन के समय सूरज की तपन के कारण लोग परेशान है इसी बीच फिजिकल थानांतर्गत छत्री रोड पर सड़क पर दौड़ती एक स्कूटी में भीषण गर्मी के चलते आग लग गई। स्कूटी सवार दो युवक बाल-बाल बच गए। हादसे में स्कूटी जल गई।

तेज गर्मी के बीच अचानक स्कूटी में लग गई आग: बताया जाता है कि स्कूटी क्रमांक एमपी 33 एम 4740 पर सवार होकर दो युवक कहीं जा रहे थे। इसी दौरान छत्री रोड पर भूत पुलिया के पास अचानक से स्कूटी में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बताया है की स्कूटी में अचानक आग लग जाने के बाद स्कूटी पर सवार दोनों युवकों ने कूद कर अपनी जान बचाई। जलती हुई स्कूटी सड़क पर जलती रही। स्कूटी में आग लगते हुए जब स्थानीय लोगों ने देखी तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब तक आग बुझी तब तक स्कूटी चल चुकी थी।

टीकाकरण के लिए एमबीबीएस छात्र - छात्राओं ने दी प्रस्तुति

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया जागरूकता का संदेश

● शिवपुरी, ईएमएस।

श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, शिवपुरी में शिशुरोग विभाग द्वारा अधिष्ठाता डॉक्टर डी परमहंस के मार्गदर्शन में विभागाध्यक्ष डॉक्टर प्रियंका गर्ग के नेतृत्व में टीकाकरण के लिए एमबीबीएस छात्र - छात्राओं सहित नर्सिंग स्टाफ ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति कर जागरूकता का संदेश दिया। कलाकारों ने टीकाकरण को लेकर नाटक के माध्यम से लोगों से टीकाकरण कराने की अपील की।

इस दौरान अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष चौऋषि ने बताया कि विशेष टीकाकरण अभियान के तहत शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चे जिनका टीकाकरण नहीं हो पाया है, वैसे बच्चो को टीका लगवाए इसके लिए हमारे मेडिकल कॉलेज सहित गांव गांव में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें डॉक्टर के साथ स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहते हैं। इलाके लोगों को साफ, सफाई के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जाता हैं।

विभागाध्यक्ष डॉक्टर प्रियंका गर्ग ने बताया कि टीकाकरण से जीवन बचता है। यह आपको, आपके परिवार और आपके समुदाय को सुरक्षित रखता है। टीकाकरण बीमारियों को खत्म करके भावी पीढ़ियों को सुरक्षित रखने में मदद करता है। टीकाकरण कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप अब कई संक्रामक रोग दुर्लभ हो गए हैं या समाप्त हो गए हैं, लेकिन दुनिया भर में नए संक्रामक रोग सामने आ रहे हैं। कई बार देखने में आता है कमज़ोर आबादियां कई मिथकों और गलत धारणाओं से जूझ रही हैं।

इस दौरान अधिष्ठाता अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष चौऋषि, विभागाध्यक्ष कम्यूनिटी मेडिसिन डॉक्टर राजेश अहिरवार ,विभागाध्यक्ष डॉक्टर अपराजिता तोमर, डॉक्टर प्रदीप राजौरिया, डॉक्टर प्रीतम सिंह कतरोलिया, विभागाध्यक्ष डॉक्टर मोहित शर्मा, डॉक्टर शिरस धीर, डॉक्टर निलांबरी चौकसे , डॉक्टर मीना इटोरिया सहायक पीआरओ राहुल अष्ठाना सहित कॉलेज के समस्त वरिष्ठ सीनीयर, जूनियर डॉक्टर्स, नर्सिंग ऑफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ एमबीबीएस छात्र - छात्राऐं उपस्थित हुए।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

● सीहोर, ईएमएस।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानी और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिले के दूरदराज अंचलों से आए लगभग 47 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन भूमि विवाद, नामांतरण, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर श्री नितिन टाले, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खिलाड़ियों के प्रवेश के लिए ट्रायल 13 मई को

पिथौरागढ़ (ईएमएस)। सीमांत में आवासीय क्रीडा छात्रावासों में बालक व बालिका खिला?ियों के प्रवेश के लिए 13 मई से चयन ट्रायल शुरू होगा। मंगलवार को जिला क्रीड़ाधिकारी अनूप बिष्ट ने बताया कि वर्ष 2025-26 में फुटबॉल, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, वालीबॉल, क्रिकेट व हॉकी खेलों में 11 जनपदों में संचालित आवासीय क्रीडा छात्रावासों में प्रवेश के लिए दो दिवसीय

वैभव के शानदार प्रदर्शन से गदगद पिता ने दिया धन्यवाद

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स के युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने अपने शानदार खेल से क्रिकेट प्रेमियों को चौंका दिया। मात्र 14 साल की उम्र में वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शानदार शतक जड़ा। वे आईपीएल इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने सबसे कम गेंदों में शतक जड़ा है।

14 अंक लेकर टॉप पर है आरसीबी, दूसरे नंबर पर मुंबई

आरआर ने पॉइंट्स टेबल में लगाई छलांग, गुजरात 3 नंबर पर खिसकी

नई दिल्ली,(ईएमएस)।

आईपीएल के 18वें सीजन का 47वां लीग मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स के बीच खेला गया था। टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी तो उनकी फील्डिंग और गेंदबाजी दोयम दर्जे की थी। पहले 10 ओवर में राजस्थान को अपने होम ग्राउंड पर एक विकेट तक नहीं मिला था। गुजरात ने 4 विकेट खोकर 209 रन बनाए। लक्ष्य हासिल करने मैदान में उतरी राजस्थान की टीम ने महज 15.5 ओवर में वैभव की तूफानी पारी के दम पर 2 विकेट खोकर इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस जीत का फायदा राजस्थान रॉयल्स को पॉइंट्स टेबल में मिला है। वहीं, गुजरात टाइटन्स टॉप 2 से बाहर हो गई।

पॉइंट्स टेबल के शिखर पर इस समय आरसीबी है, जिसके खाते में 14 अंक हैं। 12 अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ मुंबई इंडियंस इस समय दूसरे स्थान पर है। गुजरात टाइटन्स 12 अंकों के साथ अब तीसरे स्थान पर आ गई है। चौथे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स है। दिल्ली के खाते में भी 12 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट मुंबई और गुजरात से खराब है। आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर पंजाब है, जिसके खाते में 11 अंक हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स 10 में से 5 मैच जीतकर 10 अंकों के साथ छठे नंबर पर है। सातवें नंबर पर कोलकाता नाइट राइडर्स है, जिसके खाते में 7 अंक हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स को गुजरात के खिलाफ मिली धमाकेदार जीत का फायदा हुआ है और टीम 9वें से 8वें स्थान पर पहुंच गई है। आरआर के खाते में 6 अंक हैं। इतने ही अंक एसआरएच के खाते में हैं, जो नौवें नंबर पर है। चेन्नई सुपर किंग्स 4 अंकों के साथ सबसे आखिरी स्थान पर है।

आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल

टीम	खेले	जीते	हारे	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	10	7	3	0	14+	0.521
मुंबई इंडियंस	10	6	4	0	12	+0.889
गुजरात टाइटंस	9	6	3	0	12	+0.748
दिल्ली कैपिटल्स	9	6	3	0	12	+0.482
पंजाब किंग्स	9	5	3	1	11	+0.177
लखनऊ सुपर जायंट्स	10	5	5	0	10	-0.325
कोलकाता नाइट राइडर्स	9	3	5	1	7	+0.212
राजस्थान रॉयल्स	10	3	7	0	6	-0.349
सनराइजर्स हैदराबाद	9	3	6	0	6	-1.103
चेन्नई सुपर किंग्स	9	2	7	0	4	-1.302

चंडीगढ़ में चैंपियन फुटबॉल एकेडमी की शुरुआत, होगा 20 खिलाड़ियों का चयन

चंडीगढ़ (ईएमएस)।

चंडीगढ़ में चैंपियन फुटबॉल एकेडमी की शुरुआत की घोषणा हुई है, जो संजय गांधी एजुकेशनल सोसाइटी और संधू फुटबॉल एकेडमी के सहयोग से एक अच्छी पहल है। इसका मकसद भारत भर में असाधारण युवा फुटबॉल प्रतिभाओं को पहचानना, संवारना और सशक्त बनाना है।

इस एकेडमी का मुख्य मकसद उभरते हुए फुटबॉल खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमताओं को निखारने, गेम इंटेलिजेंस विकसित करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए एक आदर्श मंच देना है। शुभारंभ के मौके पर बताया गया कि एकेडमी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कठोर चयन प्रक्रिया होगी। जिसमें 2012 और 2013 में जन्मे 20 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन होगा। इन खिलाड़ियों का चयन विशेषज्ञ कोच द्वारा कठोर ट्रायल्स के माध्यम से होगा।

चैंपियन फुटबॉल एकेडमी अपने खिलाड़ियों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। अनुभवी कोचों द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें खिलाड़ियों को फुटबॉल के उच्च मानकों तक पहुंचने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण मिलेगा। इसके अतिरिक्त, खिलाड़ियों को शीर्ष फुटबॉल अकादमियों के भ्रमण का मौका मिलेगा और प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में भाग लेने का मौका भी मिलेगा। खिलाड़ियों की शिक्षा और खेल को संतुलित रूप से बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक समर्थन भी दिया जाएगा।

युवाओं के बेहतर विकास के लिए एकेडमी में निःशुल्क आवास की सुविधा होगी और किफायती आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। चयनित खिलाड़ियों को मुफ्त में प्रशिक्षण और प्लेइंग किट भी दी जाएगी। इसके अलावा, खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्राथमिक उपचार की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पूर्व निदेशक प्रो. डॉ.आई.पी. नागी द्वारा विशेषज्ञ मार्गदर्शन और मेंटरशिप मिलेगी।

एकेडमी को चुनने के लाभ बताकर रंजन सेठी और चोपड़ा ने कहा कि यह खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचिंग, अत्याधुनिक सुविधाएं और व्यक्तिगत मेंटरशिप प्रदान करेगी। इसके साथ ही, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टूर्नामेंट्स और एक्सचेंज कार्यक्रमों के माध्यम से एक्सपोज़र के अवसर भी मिलने है।

आईपीएल में इतिहास रचने वाले वैभव को मिलेंगे दस लाख

पटना, (ईएमएस)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ने वाले शतक के लिए 14 साल क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को 10 लाख रुपए का पुरस्कार देने की ऐलान किया। अपने शानदार प्रदर्शन से वैभव सूर्यवंशी ने टी20 प्रारूप के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। बिहार का रहने वाला यह छोटी उम्र का क्रिकेटर टी20 क्रिकेट में शतक बनाने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बन गया है और 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ क्रिस गेल के 30 गेंदों में वीरतापूर्ण प्रयास के बाद आईपीएल के इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाला खिलाड़ी भी बना गया है।

हरियाणा ओलंपिक खेलों की घोषणा जल्द

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा के खिलाड़ियों के लिए एक अहम खबर आई है। हरियाणा ओलंपिक संघ (एचओए) की अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने बताया कि इस साल आयोजित होने वाले हरियाणा ओलंपिक खेलों की तारीख जल्द तय होगी। मीनू बेनीवाल के अनुसार, 30 मई 2025 तक इन खेलों की तिथि निर्धारित होगी, जिससे राज्य के खिलाड़ियों को एक नया मौका मिलेगा। बीते कई सालों से हरियाणा ओलंपिक खेलों का आयोजन राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण रुक हुआ था, इससे राज्य के हजारों खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका नहीं मिल सका।

फटाफट खबरें

इंफोसिस में 195 और प्रशिक्षुओं को निकाल बाहर किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की दूसरे नंबर की आईटी सर्विस प्रोवाइडर फर्म इन्फोसिस ने आंतरिक मूल्यांकन (इंटरनल असेसमेंट) में खराब प्रदर्शन वाले 195 और प्रशिक्षुओं को कंपनी से बाहर कर दिया। कंपनी की ओर से भेजे गए ईमेल में यह जानकारी सामने आई है। प्रशिक्षुओं को निकालने का यह तीसरा दौर है। पहला दौर फरवरी में हुआ था जब 320 प्रशिक्षुओं को निकाल दिया था। दूसरा दौर इस महीने की शुरुआत में हुआ था, जिसमें 240 प्रशिक्षुओं को निकाला गया था। इन्फोसिस ने 2025 में कुल 15,000 प्रशिक्षुओं को काम पर रखा। प्रभावित प्रशिक्षुओं को 2022 में काम पर रखा गया था, और अक्टूबर 2024 में उन्हें शामिल किया गया था। इन्फोसिस की छंटनी ऐसे समय में हुई है जब कंपनी और उद्योग एक अनिश्चित मैक्रो माहौल से गुजर रहे हैं। कंपनी ने साल 26 के लिए 0-3 फीसदी के दायरे में रेवेन्यू ग्रोथ का अनुमान लगाया है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह वित्त वर्ष 26 के लिए लगभग 20,000 फ्रेशर्स को काम पर रखेगी।

आरबीआई मई में 1.25 लाख करोड़ के बॉन्ड खरीदेगा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई में 1.25 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीदने की योजना बनाई है। इस पहल में, 50,000 करोड़ रुपये की किस्त 6 मई को जारी की जाएगी और आगे की तीन किस्तें 9, 15 और 19 मई को जारी की जाएंगी। इससे बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने में मदद ?मिलेगी। इसके साथ ही, एक अन्य विकल्प चरखी दाधी जेनसोल इंजीनियरिंग क्षेत्र में संकट का सामना कर रही है। ईडी ने जेनसोल के परिसरों में छापा मारा और कई दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्डों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त किया। विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों में उत्पादन की वृद्धि दर मार्च, 2025 में गिरकर तीन फीसदी रही।

बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 80,396.92 पर खुला

रिलायंस का इंडस्ट्रीज का सहारा हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

मुंबई (ईएमएस)।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार सोमवार की बढ़त को कायम रखते हुए मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में लगातार दूसरे दिन तेजी ने बाजार को बढ़त बनने में अहम भूमिका निभाई।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 80,396.92 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 80, 661.31 अंक तक च? गया था। अंत में सेंसेक्स 70.01 अंक की बढ़त लेकर 80,288.38 पर बंद हुआ। इसतर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी पॉजिटिव शुरुआत लेकर 24,370.70 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24, 457.65 अंक के शीर्ष तक गया। अंत में यह 7.45 अंक की मामूली बढ़त लेकर 24,335.95 पर बंद हुआ।

इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में सबसे ज्यादा लाभ में रही और कंपनी ने बीएसई बेंचमार्क को हरे निशान में बंद होने में काफी हद तक मदद की। रिलायंस का शेयर मंगलवार को 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1,399 पर बंद हुआ और बीएसई बेंचमार्क में 180 अंकों का योगदान दिया। इसके अलावा टेक महिंद्रा, इटरनल (पूर्व में ज़ोमैटो), एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस और टीसीएस लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों रहे। इनमें 1 से 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा में 2 प्रतिशत की गिरावट आई। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, एसबीआई और नेस्ले इंडिया भी प्रमुख रूप से गिरावट में बंद हुए।

वैश्विक बाजारों से क्या संकेत

अमेरिकी शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरे सेशन को हरे निशान पर बंद किया। एसएंडपी 500 में 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 5,528.75 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 17,366.13 पर बंद हुआ। डॉव जोन्स 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,227.59 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 से जुड़े फ्यूचर्स 0.08 प्रतिशत चढ़े। जबकि नैस्डैक 100 वायदा 0.11 प्रतिशत और डॉव जोन्स फ्यूचर्स 0.05 प्रतिशत चढ़ा।

सोने के दामों में गिरावट, चांदी भी नरम पड़ी

सोना 95,300 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी 96,250 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव मंगलवार गिरावट के साथ खुले। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,300 रुपये, जबकि चांदी के भाव 96,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 225 रुपये की गिरावट के साथ 95,800 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,025 रुपये था। इस समय यह 714 रुपये की गिरावट के साथ 95,311 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 95,800 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 95,311 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले सप्ताह 99,358 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 77 रुपये की नरमी के साथ 96,387 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 96,464 रुपये था। इस समय यह 185 रुपये की गिरावट के साथ 96,279 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,387 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,254 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

एक साल के भीतर 70 हजार तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली (ईएमएस)। अक्षय तृतीया पर सोने की खरीदारी को शुभ माने जाने की वजह से इस दिन लोग अक्सर सोने की खरीदारी करते हैं। सोने के खरीदारों के ?लिए एक अच्छी खबर है कि आने वाले दिनों में सोने का भाव 1 लाख रुपये प्रति दस ग्राम से 70000 रुपये के स्तर तक पहुंच सकता है। यह दावा गोल्ड माइनिंग यानी खदानों से सोना निकालने वाली कंपनी ने किया है। फिलहाल, दिल्ली में 24 कैरेट शुद्ध सोने का भाव 97680 हजार रुपये प्रति दस ग्राम के आसपास है। ऐसे में अगर यह भाव टूटकर 70 हजार के लेवल पर पहुंचता है तो सोना तो 27000 रुपये सस्ता हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, गोल्ड माइनिंग का काम करने वाली कंपनीने दावा किया है कि अगर टैरिफ वॉर और ट्रेड टेंशन घटता है तो 12 महीनों में सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है। इस कंपनी का कहना है कि वैश्विक बाजार में सोने का भाव 2500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकते हैं। फिलहाल, अभी यह कीमत 3300 डॉलर प्रति औंस से ऊपर है। अगर इस कंपनी के दावे पर यकीन किया जाए तो भारत में सोने की कीमतें 1 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर से टूटकर 70000 रुपये के स्तर तक आ सकती है।

एथर एनर्जी को पहले दिन सिर्फ 16 फीसदी मिला सब्सक्रिप्शन

आईपीओ सब्सक्राइब के लिए 30 अप्रैल तक खुला रहेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)।

इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी के आईपीओ को सब्सक्रिप्शन के पहले दिन निवेशकों से सुस्त रिस्पांस मिला। बाजार में तेजी के बावजूद पब्लिक इश्यू को पहले दिन केवल 16 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए 28 अप्रैल को खुला और 30 अप्रैल तक खुला रहेगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2,981.06 करोड़ के आईपीओ को पहले दिन कुल 86,09,406 इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुई। जबकि बिक्री के लिए 5,33,63,160 शेयर रखे गए हैं। इस आधार पर पहले दिन की कुल सब्सक्रिप्शन दर 16 प्रतिशत रही। कर्मचारियों के लिए रिजर्व कोटा में सबसे अधिक भागीदारी देखी गई।

इसमें 1.78 गुना बुकिंग हुई। रिटेल निवेशकों ने अपने लिए आरक्षित श्रेणी में 63 प्रतिशत, नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों ने 16 प्रतिशत और क्वालिफाइड इंस्टीट् यूशनल बायर्स ने अपने लिए रिजर्व 2,89,27,363 के मुकाबले केवल 5,060 बोलियां लगाईं। एथर एनर्जी आईपीओ ग्रे मार्केट में सपाट रिस्पांस दे रहा है। अनौपचारिक बाजार गतिविधियों पर नज़र रखने वाले सूत्रों के अनुसार, कंपनी के नॉन लिस्टेड शेयर मंगलवार को ग्रे मार्केट में 322 रुपये पर कारोबार कर रहे है। यह प्राइस बैंड के अपर एंड 321 रुपये 1 रुपये के प्रीमियम को दर्शाते है।

आईफोन 17 की लांचिंग पर मंडराया संकट

चीन से आयात में देरी बनी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)।

चीन से आईफोन बनाने के लिए आवश्यक मशीनरी के आयात की अनुमति में लगातार हो रही देरी ने चिंता बढ़ा दी है। अगर यह देरी जारी रहती है, तो न केवल अपकमिंग आईफोन 17 के लॉन्च पर असर पड़ सकता है, बल्कि भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग को दोगुना करने की एप्पल की संभावित योजना भी प्रभावित हो सकती है। कंपनी का लक्ष्य था कि भारत से उत्पादन बढ़ाकर अमेरिका में आईफोन की मांग को पूरा किया जाए, ताकि चीन पर लगाए गए भारी आयात शुल्क से बचा जा सके। चीन से आयात को लेकर मंजूरी में देरी केवल इलेक्ट्रॉनिक्स तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरंग निर्माण में इस्तेमाल होने वाली ड्रिलिंग मशीनों और सोलर एनर्जी से जुड़ी मशीनों सहित अन्य क्षेत्रों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार देशभर में सुरंगों के निर्माण पर आक्रामक रूप से काम कर रही है। एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के टॉप सूत्र ने बताया ?कि आम तौर पर एप्पल इंक हर साल एक नया मोबाइल फोन लॉन्च करता है, जबकि बाकी कंपनियां कम से कम दो मॉडल लॉन्च करती हैं। भारत में नए मॉडल असेंबल करने के लिए बड़ी मात्रा में नई आयातित मशीनों को रेट्रोफिट करना पड़ता है। लेकिन इस प्रक्रिया में अब लगातार देरी हो रही है, जो नए मॉडल के लॉन्च को प्रभावित कर सकती है। यह भी आशंका है कि मोबाइल असेंबली के लिए चीन से सेकंडहैंड मशीनरी के आयात जो कि वहां से भारत में उत्पादन क्षमता शिफ्ट करने का हिस्सा है।

भारतीय बाजार में लॉन्च होने वाली हैं 5 नई एसयूवी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनियां 10 लाख रुपये से कम कीमत में भारत में अपनी नई एसयूवी मॉडल लॉन्च करने की योजना बना रही हैं। आने वाले दिनों में भारतीय बाजार में 5 नई एसयूवी लॉन्च होने वाली हैं, जिनमें कुछ अपडेटेड वर्जन और इलेक्ट्रिक मॉडल्स शामिल होंगे। टाटा मोटर्स अपनी पॉपुलर एसयूवी पंच का फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने जा रही है। इस नई टाटा पंच में बदलते हुए डिजाइन के साथ बेहतर फीचर्स मिलेंगे, हालांकि इसमें पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं, मारुति सुजुकी अपनी फ्रोंक्स एसयूवी का अपडेटेड वर्जन लाने की तैयारी कर रही है। इस मॉडल में हाइब्रिड पावरट्रेन मिलेगा।

केनरा एचएसबीसी लाइफ ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) द्वारा सेबी के समक्ष आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल करने के कुछ दिन बाद केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। सेबी के समक्ष दस्तावेजों के अनुसार केनरा रोबेको एएमसी की तरह ही केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का आईपीओ प्रवर्तकों और एक निवेशक द्वारा 23.75 करोड़ शेयर की पूर्ण बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। बिक्री पेशकश के तहत, केनरा बैंक 13.77 करोड़ शेयर बेचेगा, एचएसबीसी इंश्योरेंस होल्डिंग्स लिमिटेड 47.5 लाख शेयर बेचेगा और पंजाब नेशनल बैंक 9.5 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहा है। आईपीओं के पूरी तरह ओएफएस होने के कारण कंपनी को सार्वजनिक निर्गम से कोई आय प्राप्त नहीं होगी। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित एक संयुक्त उद्यम है। इसके पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है तथा एचएसबीसी समूह की एचएसबीसी इंश्योरेंस होल्डिंग्स के पास 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

इंदौर बाजार भाव

इन्दौर (ईएमएस)। लेवाली के अभाव में मंगलवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सुस्ती आयी। दलहनों में चना मजबूत बना रहा। मसूर व उड़द में टिकाव रहा। किराना जिंसों में खसखस बाजार सुस्ती पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में लेवाली का अभाव है। जिससे बाजार में नरमी है। तिलहनों में सुस्ती देखी गयी। दलहनों में चना मजबूत बना रहा। मसूर व उड़द में बाजार कारोबार विशेष के अभाव में कमजोर रहे। उधर, किराना जिंसों में खसखस में सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे।

एसआईटी करेगी लव जिहाद की जांच

भोपाल,ईएमएस। इंदौर और भोपाल में कॉलेज छात्राओं से हुए लव जिहाद का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। जन आक्रोश के चलते पुलिस को भी ताबड़तोड़ एसआईटी गठित करना पड़ी। अब एसआईटी इस मामले की तेजी से जांच में जुटी है। बताया जा रहा है कि एसआईटी मामले की जांच के लिए इंदौर भी जाएगी।

राजनीतिक प्रशासनिक

4 मई को मनेगा भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव

भोपाल,ईएमएस। मध्यप्रदेश युवा कायस्थ संगठन 4 मई को भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव मनाएगा। इस अवसर पर जवाहर चौक के चित्रगुप्त मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसका शुभारंभ मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग करेंगे। शोभायात्रा में ऊंट, घोड़े, बग्घी, डीजे और भगवान चित्रगुप्त की 10 फीट ऊंची प्रतिमा आकर्षण का केंद्र होंगी। शोभा यात्रा जवाहर चौक से रंगमहल चौराहा, टीटी नगर थाना, न्यू मार्केट, जी.टी.बी. चौराहा होते हुए चित्रगुप्त मंदिर पर समाप्त होगी।

सीएम डॉ मोहन करेंगे राशि ट्रांसफर, खाते में आएंगे 600 करोड़

आज श्रमिक परिवारों को मिलेगी बड़ी सौगात

भोपाल,ईएमएस।

मध्यप्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव बुधवार को श्रमिक परिवारों को राशि वितरित करेंगे। अनुग्रह सहायता योजना के 27,523 प्रकरणों में 600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। यह कार्यक्रम धार जिले के उमरबन में होगा। जहां मुख्यमंत्री सिंगल क्लिक के जरिए योजना की राशि जारी करेंगे। इस कार्यक्रम में श्रम व पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल मौजूद रहेंगे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना, प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें अनुग्रह सहायता योजना के अंतर्गत दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये और सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये दिए जाते हैं। इसी तरह स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये और आंशिक स्थायी अपंगता पर एक लाख रुपये, अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रुपये प्रदान किये जाते हैं।

उच्च शिक्षा की पढ़ाई फ्री

संबल योजना में जहां एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार दिये जाते हैं तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा में शिक्षा के लिए संपूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। नीति आयोग की पहल पर प्रदेश के गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स को भी संबंल योजना के अंतर्गत सम्मिलित किया जाकर इनका पंजीयन शुरू किया गया है और इन्हें भी संबल योजना के अंतर्गत सभी लाभ प्रदान दिए जा रहे हैं। संबल हितग्राहियों को खाद्यान्न पात्रता पर्ची भी प्राप्त होती है जिससे वे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा रियायती दरों पर राशन प्राप्त कर रहे हैं।

5 लाख तक का फ्री में इलाज

सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है, अब उन्हें भी 5 लाख रुपये तक का फ्री इलाज मिल रहा है। प्रदेश सरकार की इस योजना से अब तक 01 करोड़ 75 लाख श्रमिकों का संबल योजना के अंतर्गत पंजीयन किया गया है, पंजीयन प्रक्रिया जारी है। संबल योजना के अंतर्गत साल 2018 से वर्तमान तक कुल 6 लाख 81 हजार से अधिक प्रकरणों में 6 हजार 432 करोड़ से अधिक के हितलाभ का वितरण किया जा चुका है।

जन्म से मृत्यु तक आर्थिक सहायता

संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के लाखों निर्माण श्रमिकों के लिये भी निर्माण मंडल के माध्यम से कई योजनायें संचालित की जाती हैं। इनमें निर्माण श्रमिकों की मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता तथा स्थायी और आंशिक अपंगता पर सहायता भी सम्मिलित है।

कर्मचारी मंच के बैनर तले कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

आरजीपीवी के कुलसचिव का घेराव

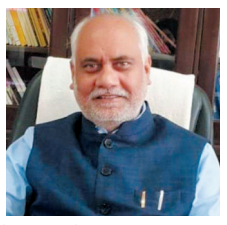

भोपाल,ईएमएस। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे के नेतृत्व में स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों के समर्थन में रैली निकाली तथा कुलसचिव आरजीपीवी दीपक सेन का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से अमर अहिरे जगदीश शर्मा संतोष सूर्यवंशी विजय रैकवार द्वारका प्रसाद शर्मा मुकेश धाकड़ राजबहोर सेन कुलदीप सिंह तोमर साजली इजहार श्रीमती प्रियंका शर्मा आदि सैकड़ों कर्मचारी शामिल थे। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि आरजीपीवी के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी का श्रेणी परिवर्तन करने एवं शासकीय कर्मचारियों के समान स्थाई कर्मियों को भी अवकाश सुविधा का लाभ देने की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। प्रदर्शन के बाद कुलसचिव एवं कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया। कुलपति ने ज्ञापन पर चर्चा करते हुए मांगों को न्यायोचित बताते हुए एक माह में आदेश जारी करने का आश्वासन दिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान में सरकार की मंशानुसार काम नहीं

दिग्गज मंत्रियों के प्रभार वाले जिले फिसड्डी

भोपाल,ईएमएस।

प्रदेश में इन दिनों सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जहा रहा है। इस अभियान को सरकार की मंशानुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। इसकी वजह है, वे जिले जो प्रदेश सरकार के दिग्गज मंत्रियों के प्रभार में हैं, लेकिन उन जिलों में काम तेजी से नहीं हो रहा है। अभियान के शुरुआती बीस दिनों की जो रिपोर्ट भोपाल आयी है उसमें दोनों उप मुख्यमंत्री सहित करीब 14 मंत्रियों के प्रभार वाले जिले फिसड्डी साबित हो रहे हैं। इसकी वजह से उन्हें पहले दस स्थानों तक में जगह नहीं मिल सकी है। इस मामले में मंत्री प्रहलाद पटेल के प्रभार वाले रीवा, उदय प्रताप सिंह के प्रभार वाले बालाघाट, चेतन काश्यप, करण सिंह वर्मा आदि के प्रभार वाले जिलों में काम फिर भी ठीक हुआ है, जिसकी वजह से उनके प्रभार वाले जिले पहले स्थान में जगह पाने में सफल रहे हैं। इस मामले में तीन जिलों में अच्छा काम अब तक हुआ है, जिसकी वजह से उन्हें पहले तीन स्थानों पर जगह मिली है। अहम बात यह है कि यह जिले न केवल छोटे हैं, बल्कि दो जिले तो दूर दराज के हैं। उल्लेखनीय है कि यह अभियान प्रदेश में 30 मार्च से शुरू हुआ है , जो 30 जून तक चलना है। इस अभियान को शुरू करने से पहले इसके लक्ष्य भी तय कर दिए गए थे। इसके साथ ही यह भी तय कर दिया गया था कि इस अभियान की निगरानी हर जिले में उसके प्रभारी मंत्री द्वारा की जाएगी।

मिलेगा नगद इनाम

अहम बात यह है कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सरकार द्वारा पहले ही संबंधित जिलों के कलेक्टरों और जिला पंचायत के सीईओ को नगद इनाम देने का भी प्रावधान किया गया है। इसके अलावा संबंधित अन्य अफसरों को भी इसी तरह का इनाम दिया जाना है। इसके तहत कलेक्टर को पहला पुरस्कार डेढ़ लाख रुपए, दूसरा 1.25 लाख रुपए व तीसरा पुरस्कार 1 लाख रुपए दिया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ को पहला पुरस्कार 1 लाख, दूसरा 75 हजार, तीसरा 50 हजार रुपए मिलेगा।

एमपीपीएसी ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी भर्ती विज्ञापन को किया रद्द

भर्ती में आयुष को शामिल करने की मांग

भोपाल,ईएमएस । मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पदों पर भर्ती के लिए वर्ष 2024 में जारी किए गए विज्ञापन को निरस्त कर दिया है। आयोग ने यह निर्णय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, मध्य प्रदेश से प्राप्त पत्र और भारत सरकार द्वारा शैक्षणिक अहर्ताओं में किए गए संशोधनों के आधार पर लिया है। शैक्षणिक योग्यता में बदलाव के कारण जारी विज्ञापन अब अमान्य हो गया है, जिसके चलते पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द किया गया है।

नीमा छात्र संघ ने नवीन विज्ञापन पोस्ट में आयुष विभाग को भी सम्मिलित करने की मांग की हैं। आयोग ने उन अभ्यर्थियों को राहत प्रदान की है जिन्होंने इस भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन कर शुल्क जमा किया था, उनके लिए शुल्क वापसी की व्यवस्था की गई है। अभ्यर्थी 15 मई 2025 से 30 मई 2025 के बीच आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से शुल्क वापसी हेतु आवेदन कर सकेंगे।

17 साल बाद निकली थी भर्ती

जानकारी के लिए बतादें क 17 साल बाद लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा विभाग की फूड सेफ्टी ऑफिसर (राजपत्रित 3 श्रेणी) की भर्ती निकाली थी। जिसे रद्द करने की औपचारिक सूचना जारी कर दी गई।वहीं, विभाग द्वारा बताया जा रहा है कि जल्द ही नई योग्यताएं तय कर आयोग को भेजा जाएगा। इसके बाद भर्ती के लिए नया नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। इसमें करीब दो माह का समय लग सकता है।

मप्र में खुलेगा 6वां सैनिक स्कूल

रक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी, मंत्री प्रहलाद पटेल के भतीजे के नाम पर होगा स्कूल

भोपाल, ईएमएस।

मध्यप्रदेश में छठवां सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है। यह स्कूल पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के भतीजे के नाम पर होगा। इस स्कूल का संचालन पीपीपी मोड पर होगा। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। वहीं मंत्री प्रहलाद पटेल ने अनुमति मिलने पर पीएम मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री का आभार जताया हैं।

एमपी में एक और सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है। नरसिंहपुर से विधायक व मंत्री प्रहलाद पटेल के दिवंगत भतीजे मणिनागेन्द्र सिंह के नाम पर यह सैनिक स्कूल खोला जाएगा। रक्षा मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी संजय कुमार की ओर से सैनिक स्कूल का अनुमति पत्र जारी किया गया है।

200 छात्र ले सकेंगे एडमिशन

सैनिक स्कूल में पहले बैच में 200 स्टूडेंट प्रवेश ले सकेंगे। बच्चों को कक्षा छठवीं से प्रवेश मिलेगा। यह स्कूल पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के भतीजे मोनू की स्मृति में खोला जा रहा है। प्रहलाद पटेल ने यहा भी बताया कि इस स्कूल का शुभारंभ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

इस दिन से होगा शुरू

मंत्री प्रहलाद पटेल ने सैनिक स्कूल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार जताया हैं। उन्होंने कहा कि जिले और प्रदेश के युवा छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए बड़ी सौगात है। स्कूल निमार्ण का काम लगभग पूरा हो चुका है। पहला सत्र 2026 से शुरू हो जाएगा।

मुख्य सचिव ने खींचा विभागों की प्राथमिकताओं का खाका

टारगेट बना विभागों को करना होगा काम

भोपाल,ईएमएस। मुख्य सचिव अनुराग जैन स्वयं लक्ष्य बनाकर काम कर रहे हैं और उन्होंने विभागों को भी टारगेट बनाकर काम करने की रणनीति बनाई है। इसके तहत उन्होंने प्रदेश के सभी विभागों की प्राथमिकताओं का खाका खींचा है। इसके तहत विभाग में मुखिया यानी अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव रहें या न रहें इसका असर नहीं पड़ेगा।

यानी विभाग की प्राथमिकताओं को विभाग को समय सीमा में करना होगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पहली बार विभागों की प्राथमिकताओं का खाका खींचा है। हर विभाग को पिछले साल का लेखा-जोखा देना होगा आगामी वर्ष की रणनीति भी बतानी होगी। गौरतलब है कि अनुराग जैन तेज तर्रार और कर्तव्यनिष्ठ अफसर हैं। ऐसे में वे चाहते हैं कि प्रदेश का हर एक अधिकारी - कर्मचारी लक्ष्य

बनाकर काम करें। इसलिए उन्होंने विभागों की प्राथमिकताओं का खाका खींचा है ताकि किसी अफसर के आने-जाने से विभाग के कामों पर असर न पड़े। मुख्यसचिव ने पद भार ग्रहण करते ही अफसरों को संकेत दे दिया था कि आईएएस हैं तो हमें सब-कुछ आता है, इस भावना से काम नहीं करें, बल्कि दूसरी सेवाओं के विशेषज्ञों को भी साथ लेकर चलें।

उनके अनुभव का लाभ उठाएं। एक विभाग से दूसरे विभाग को पत्र या पर्ची भेजने से अच्छा है कि आपस में चर्चा करें। कामकाज की प्रक्रिया को सरल बनाएं। अनावश्यक कागज चलाने का कोई औचित्य नहीं हैं। सभी एक-दूसरे के संपर्क में रहें और संवाद करें।

नहीं बदलेंगी विभागों की प्राथमिकताएं

मुख्य सचिव ने प्रशासनिक कामकाज में कसावट लाने और विकास कार्यों को गति प्रदान करने लिए विभागों की प्राथमिकताओं का जो खाका तैयार किया गया उसके अनुसार अब 55 में से किसी भी विभाग के अपर मुख्य सचिव, मुख्य सचिव और सचिव बदल भी जाएं तो संबंधित विभाग की प्राथमिकताएं नहीं बदलेंगी। यानी जनता से जुड़े जिन कार्मों का बीड़ा विभाग उठा चुका है, उसे हर हाल में पूरा करना होगा। दरअसल, मुख्य सचिव की कार्ययोजना यह है कि अफसरों को टीम भावना से काम करना होगा।

हाईकोर्ट में याचिकाएं लगाकर सभी पक्षों ने रखे अपने लिखित प्रश्न

नए कानून के तहत भूमि अधिग्रहण की राशि नहीं दे रही सरकार

23 जून को होगी सभी याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई

भोपाल, ईएमएस। प्रदेश सरकार द्वारा नए भू-अर्जन कानून के तहत अधिग्रहित जमीन का मुआवजा नहीं दिये जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में चार याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिका की सुनवाई के दौरान सभी संबंधित पक्षों द्वारा लिखित में अपना पक्ष प्रस्तुत किया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने सभी याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 23 जून को निर्धारित की गई है। नर्मदा बचाओ आंदोलन सहित अन्य चार की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि नए भू-अर्जन कानून 2013 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में अधिग्रहित जमीन का मुआवजा एक से दो गुना के बीच दिया जाना है। शहरी क्षेत्र से जितनी दूरी अधिक होगी उसी अनुपात से मुआवजा राशि में बढ़ोतरी होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनों की कीमतें कम होने के कारण यह प्रावधान रखा गया था। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इसका उल्लंघन करते हुए सभी ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जमीन की सरकारी दर के अनुसार मुआवजा निर्धारित किया गया है। जिससे ग्रामीणों की जमीन अधिग्रहित होने पर उन्हें बहुत कम मुआवजा मिलता है।

मई का बिजली बिल देगा जेब को झटका

विद्युत नियामक आयोग के नए टैरिफ आदेश के चलते बिजली के रेट में करीब 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी

भोपाल, ईएमएस। मई माह में बिजली उपभोक्ताओं को बिल से झटका लग सकता है। बिल में करीब 50 से 100 रुपये की बढ़ोतरी होगी। विद्युत नियामक आयोग के नए टैरिफ आदेश पर करीब 4 प्रतिशत बिजली के रेट बढ़ने के निर्देश वितरण कंपनी ने एक अप्रैल को ही जारी कर दिये थे। इसके चलते जो उपभोक्ता 200 से 400 यूनिट बिजली खपत करते हैं उनको 50 से लेकर 99 रुपये तक बिजली के बिलों में अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा। उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने इस पर रोक की मांग की है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसियेशन, महिला समिति, मानव अधिकार क्रांति संगठन तथा सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसियेशन ने इस बढ़े हुए ।

आयोग ने बिजली कंपनियों पर कार्रवाई नहीं की

डॉ. नाजपांडे ने बताया कि मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी के सर्कुलर 24 जनवरी 2024 के अनुसार बिजली हानि प्रतिशत 15.45 था। लेकिन बाद में एक वर्ष के भीतर इसी कंपनी के सर्कुलर दिनांक 25 मार्च 2025 के अनुसार वह 17.22 प्रतिशत हो गया है। वास्तविकता में बिजली हानि प्रतिशत घटना चाहिए था, लेकिन वह उल्टा बढ़ गया है। यह विद्युत नियामक आयोग आदेश की पूर्णत: अवहेलना हुई है।

रोटोमॅग सोलर पंप यानी
अधिकतम पानी का वादा !
ROTOMAG
Water from the Sun
भारत का सबसे भरोसेमंद सोलर पंप

प्रत्येक किसान की प्रगति का राज, रोटोमॅग पम्प का साथ
उच्चतम गुणवत्ता और अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित उच्च प्रदर्शन व क्षमता के रोटोमॅग सोलर पंप !
- मध्यप्रदेश सोलर पंप योजना में पंजीकृत
- उच्च गुणवत्ता के पैनल, मजबूत ढांचा व स्टेनलेस स्टील निर्मित मोटर व पंप
- देश में विगत 20 वर्ष से कार्यरत
- अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी का उत्पादन, पूर्णतः भारत में निर्मित
- देश में 2 लाख सोलर पंप का सफल स्थापन
- मध्यप्रदेश राज्य में पद्रंह हजार से अधिक पंप कार्यरत
- उपयुक्त पंप के चयन हेतु अभियंता की सलाह उपलब्ध
- मोबाइल फोन से सोलर पंप ऑपरेट करने की सुविधा उपलब्ध
- ISO 9001, ISO 14001, ISO 18001 मान्यता प्राप्त कंपनी
- मध्यप्रदेश के सभी जिलों में सर्विस सेण्टर सुविधा उपलब्ध

आवेदन पोर्टल cmsolarpump.mp.gov.in

पहले आओ पहले पाओ
प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना
मध्यप्रदेश के किसानों को श्रेणी अनुसार 90 प्रतिशत तक अनुदान

रोटोमॅग सोलर पंप
3 HP, 5 HP, 7.5 HP, 10 HP, सबमर्सिबल

उपलब्ध सोलर पंप के प्रकार
3 HP DC सबमर्सिबल
3 HP DC सबमर्सिबल, USPC के साथ
5 HP DC सबमर्सिबल
7.5 HP DC सबमर्सिबल
7.5 HP AC सबमर्सिबल
10 HP AC सबमर्सिबल

रोटोमॅग मोटर्स एन्ड कंट्रोल्स प्रा. लि.
2102/3 & 4 जी.आइ.डी.सी., विठ्ठल उद्योगनगर, आणंद, गुजरात - 388121
कस्टमर कॅअर: 1800 1234 412 इमेल: info@rotosol.solar वेबसाइट: www.rotosol.solar

मध्यप्रदेश में भर्ती के लिए बनेंगे नए नियम

अभ्यर्थियों को बार-बार फीस देने से मिलेगी राहत

भोपाल,ईएमएस।

मप्र की मोहन सरकार सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली चयन परीक्षा में बड़ा परिवर्तन करने जा रही है। राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से होने वाली भर्ती परीक्षाएं अब बार-बार नहीं होंगी। संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर वर्ष में एक बार परीक्षा होगी और सभी श्रेणी के पदों के लिए मेरिट के हिसाब से सूची बन जाएगी। प्रतीक्षा सूची भी एक ही रहेगी। इसके लिए पदों की संख्या सभी विभागों से वर्ष में एक बार पूछ ली जाएंगी और उसके आधार पर सितंबर में कैलेंडर निर्धारित हो जाएगा।

जनवरी 2026 से चयन की यह प्रक्रिया लागू करने की तैयारी में सामान्य प्रशासन विभाग जुटा है। प्रदेश में द्वितीय और कार्यपालिक तृतीय श्रेणी के पदों की भर्ती पीएससी के माध्यम से होती है। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के लिए कर्मचारी चयन मंडल परीक्षाएं कराता है। अभी जैसे-जैसे विभागों की ओर से पद उपलब्ध होते हैं, वैसे-वैसे दोनों एजेंसियां अपने

कैलेंडर के हिसाब से परीक्षाएं आयोजित करती हैं। हैं। अभ्यर्थियों को बार-बार फीस और परीक्षा देनी पडती है। एजेंसियों को भी हर परीक्षा के लिए मानव संसाधन से लेकर अन्य व्यवस्थाएं करनी होती हैं। इसको देखते हुए प्रक्रिया में बदलाव किया जा रहा है।

प्रदेश में द्वितीय और कार्यपालिक तृतीय श्रेणी के पदों की भर्ती राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से होती है तो तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के लिए कर्मचारी चयन मंडल परीक्षाएं कराता है। अभी जैसे-जैसे विभागों की ओर से पद उपलब्ध होते हैं।

एक बार बनाई जाएगी प्रतीक्षा सूची

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अभ्यर्थियों से आवेदन के समय विकल्प मांगे जाते। मेरिट के हिसाब से यदि उसका चयन दो पदों के लिए हो गया। उसे काल लेटर भी भेज दिया और वह जिस पद का चयन करता है तो दूसरा पद प्रतीक्षा सूची वाले को मिल जाएगा। प्रतीक्षा सूची एक बार बनाई जाएगी और उसमें ही पद उपलब्ध होने पर चयनित अभ्यर्थी को मौका मिलता रहेगा। दरअसल, अभ्यर्थी एक साथ कई परीक्षाएं देते हैं और अलग-अलग स्थान पर चयन होने पर वे अपनी अच्छा के अनुसार सेवा का चयन करते हैं। ऐसे में पद रिक्त हो जाता है।

नियम से लेकर परीक्षा का ब्यौरा रहेगा ऑनलाइन

सूत्रों का कहना है कि पारदर्शिता के लिए नियम से लेकर परीक्षा का पूरा ब्योरा ऑनलाइन रहेगा। अभी राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से होने वाली परीक्षा में कई चीज सार्वजनिक नहीं की जाती हैं, जिससे अभ्यर्थी कोर्ट चले जाते हैं। परीक्षा परिणाम या चयन सूची पर रोक लगा जाती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सनत कुमार जैन के लिए सुपर प्रिन्टर्स, आर-11, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर हॉल नं. 07, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : बलदेवराज गुप्त, एसोसियेट एडीटर : विनीत खरे, स्थानीय संपादक : सौरभ जैन*
फोन-0755-2572334, दिल्ली कार्यालय: ''ईएमएस हाउस'' यू-39-ए, शकरपुर, दिल्ली-110092. फोन नं.011-22022531 फैक्स नं. 011-22022535. ई-मेल: expressnews.advt@gmail.com (रजि नं. RNI 62831/95, डाक पंजीयन सं. म.प्र./भोपाल/402/2024-26) समाचार चयन के लिए *पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।